RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 166 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, सोमवार 4 अप्रैल 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खैरागढ़ उपचुनाव: प्रचार में सीएम भूपेश की एंट्री, आज 3 सभाएं

एमपी से सीएम शिवराज व ज्योतिरादित्य भी आएंगे छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

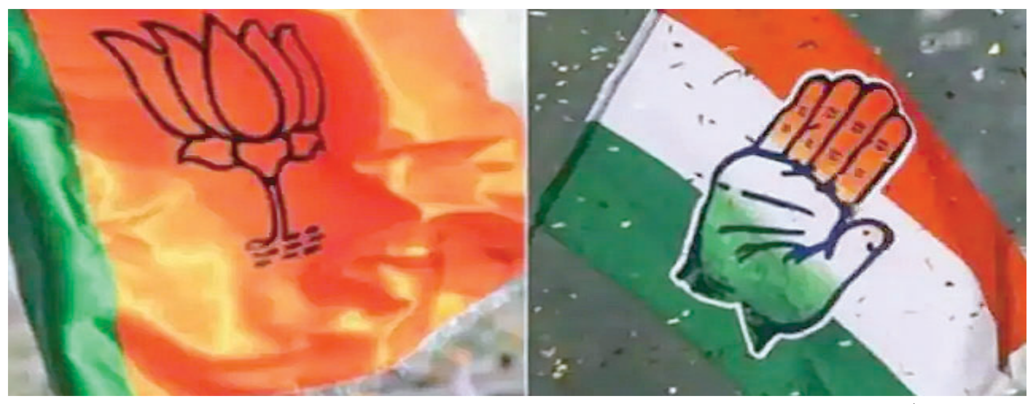

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले के खैरागढ़ उप चुनाव की तिथि जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, राजनीतिक सरगर्मियां भी तेज होती जा रही है। भाजपा, कांग्रेस सहित अन्य दलों के नेता चुनाव सभाओं में एक-दूसरे को घेर रहे हैं। सोमवार को खैरागढ़ चुनाव के प्रचार में सीएम भूपेश बघेल की एंट्री हो गई है। सीएम बघेल यहां 6 दिनों तक जनसभाएं करेंगे। इसकी शुरुआत आज बकरघट्टा से हो गई है। भाजपा भी सभाओं की तैयारियों में जुटी है।

सीएम भूपेश बघेल सोमवार को खैरागढ़ विधानसभा क्षेत्र में 3 आम सभाओं को संबोधित करेंगे, जिसमें सबसे पहले बकरघट्टा, फिर साल्हेवारा और अंत में पैलीमेटा गांव शामिल है। सीएम भूपेश कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में सभाओं को संबोधित कर समर्थन मांगेंगे। सीएम ने अपने पूरे मंत्रियों और विधायकों को खैरागढ़ विधानसभा उपचुनाव की जिम्मेदारी सौंपी है। गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू खैरागढ़ क्षेत्र में चुनावी तैयारी संभाल रहे हैं। इधर जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जेसीसीजे), अन्य राजनीतिक पार्टियों सहित स्वतंत्र प्रत्याशी भी जनता का दिल जीतने दम लगा रहे हैं। चुनाव में कुल 10 प्रत्याशी मैदान में हैं।

खैरागढ़ उपचुनाव में नया जिला की चर्चा

सीएम भूपेश बघेल ने घोषणा पत्र में 16 तारीख को जीत के साथ 24 घंटे में खैरागढ़ को जिला बनाने की घोषणा की है। भाजपा व कांग्रेस में इस मुद्दे को लेकर सियासी संग्राम चल रहा है। सीएम भूपेश व पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह लगातार एक-दूसरे को घेर रहे हैं। सीएम बघेल ने 16 को जीत और 17 अप्रैल को खैरागढ़-छुईखदान- गंडई जिला बनाने की बात कही है। इधर खैरागढ़ विधानसभा क्षेत्र में नए जिला को लेकर चर्चा तेज है।

भाजपा नेताओं ने भी संभाली चुनावी कमान

भारतीय जनता पार्टी के नेता भी चुनाव में दम दिखा रहे हैं। भाजपा के स्टार प्रचारकों में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित कई दिग्गज नेताओं के नाम है। मध्य प्रदेश से लगने वाले साल्हेवारा व गंडई क्षेत्र में सीएम शिवराज सिंह चौहान की सभा की तैयारी है। वहीं छुईखदान व खैरागढ़ में ज्योतिरादित्य सिंधिया की सभा होने की चर्चा है। पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, बृजमोहन अग्रवाल, अजय चंद्राकर, सांसद विजय बघेल, सांसद संतोष पांडेय सहित कई पूर्व मंत्री भाजपा प्रत्याशी के लिए सभाएं कर रहे हैं।

खास-खबर

श्रीलंका में सर्वदलीय सरकार, वित्त-विदेश समेत चार नए मंत्रियों ने ली शपथ

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका में वित्तीय संकट के बीच सर्वदलीय सरकार बनने जा रही है। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने सभी दलों को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया है। गोटबाया राजपक्षे ने सभी दलों से अपील की है कि, मंत्रालय में शामिल होकर सभी दल देश में आए संकट का समाधान निकालें। दरअसल, श्रीलंका में हिंसा और राजनीतिक अटकलों के बीच देर रात मंत्रिमंडल ने सामूहिक इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, प्रधानमंत्री महिंदा राजपेक्ष ने अपना इस्तीफा नहीं सौंपा था।

उन्होंने कहा कि, वर्तमान संकट आर्थिक और वैश्विक कारणों से उभरा है। आने वाली पीढ़ियों और राष्ट्रहित के लिए हम सभी को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी पार्टी के प्रतिनिधियों को सरकार में मंत्री पद के लिए आमंत्रित किया है।

चार नए मंत्रियों ने ली शपथ

श्रीलंका में आपातकाल और मंत्रिमंडल के सामूहिक इस्तीफे के बाद चार नए मंत्रियों ने सोमवार को शपथ ली है। इसमें वित्त मंत्री से लेकर विदेश मंत्री तक शामिल हैं। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के सामने अली साबरी ने वित्त मंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। उन्होंने बेसिल राजपक्षे की जगह मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। वहीं जीएल पेइरिस नए विदेश मंत्री होंगे। दिनेश गुणवर्धने को शिक्षा मंत्री बनाया गया है तो जॉनसन फर्नांडो राजमार्ग मंत्रालय संभालेंगे।

सेल व नवरत्न कंपनियों को बेच रहे, भूपेश बोले- अब कोल इंडिया को बेचने का षड़यंत्र कर रही केंद्र सरकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह पर हमला बोला। भूपेश ने कहा कि केंद्र सरकार की मंशा नवरत्न व सार्वजनिक उपक्रमों को निजी हाथों में बेचने की है। यह षड़यंत्र का हिस्सा है कि कोल इंडिया को भी भच कर दिया जाए। उत्पादन में उसे असफल कर दिया जाए, ताकि निजी हाथों में बेचा जा सके। ओएनजी के शेयर बेचे जा रहे हैं। सेल की इकाइयों को बेचे जा रहे हैं।

रायपुर में सीएम भूपेश ने महंगाई को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। सीएम ने कहा कि भाजपा को जानना चाहिए कि केंद्र की नीतियों के कारण आज महिलाएं परेशान हैं। एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है। पेट्रोल-डीजल के दाम रोज बढ़ रहे हैं। 12 दिन में 10 बार कीमत में वृद्धि हुई है। भाजपा बताएं वह महंगाई के विरोध में क्यों बात नहीं करते। पेट्रोल-डीजल के भाव कभी 80 तो कभी 85 पैसे बढ़ रहे हैं। भाजपा के नेता मौन क्यों है? क्यों विरोध नहीं करते? इस दौरान सीएम ने प्रदेशवासियों को चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं दी।

डॉ. रमन ने खैरागढ़ को हमेशा उपेक्षित किया

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा खैरागढ़ उपचुनाव के लिए जारी घोषणा पत्र पर दिए बयान पर सीएम भूपेश ने कहा कि रमन सिंह ने खैरागढ़ को हमेशा उपेक्षित किया है। अब खैरागढ़ को सम्मान मिलना है तो उनको बर्दाश्त नहीं हो रहा है। यह बात खैरागढ़ की जनता जान चुकी है। सीएम भूपेश ने कहा किसी भी राज्य के विकास की तुलना वहां हो रहें विकास से होता है। प्रदेश में सड़कों का निर्माण, सिंचाई की व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, लोगों को रोजगार, किसानों को सही दाम, मजदूरों व महिलाओं को सम्मान देने की बात हो हमारी सरकार बेहतर ढंग से कर रही है।

हमारी मातृभूमि को बचाने में मदद कीजिए पीएम मोदी, श्रीलंका के विपक्ष ने लगाई गुहार

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका में भीषण आर्थिक संकट के बीच वहां से विपक्ष ने भारत से मदद की गुहार लगाई है। समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंका में विपक्ष के नेता साजिथ प्रेमदासा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके देश को अधिकतम संभव सीमा तक मदद करने का आग्रह किया।

बता दें कि घटते विदेशी भंडार और ईंधन व भोजन की भारी कमी के साथ कर्ज में डूबा देश दशकों में अपने सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। श्रीलंका में विपक्ष के नेता साजिथ प्रेमदासा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संदेश दिया, कृपया कोशिश करें और श्रीलंका की यथासंभव मदद करें। यह हमारी मातृभूमि है, हमें अपनी मातृभूमि को बचाने की जरूरत है। इससे पहले आज, श्रीलंकाई नेता ने कैबिनेट के सामूहिक इस्तीफे को देश के लोगों को धोखा देने के लिए बनाया गया मेलोड्रामा करार दिया। आर्थिक संकट से पैदा हुए राजनीतिक संकट के बीच प्रेमदासा ने कहा कि इस्तीफे श्रीलंका को राहत देने के लिए वास्तविक प्रयास नहीं हैं, बल्कि लोगों को मूर्ख बनाने की कवायद है।

उन्होंने कहा, यह एक मेलोड्रामा है जो हमारे देश के लोगों को ठगने के लिए किया जा रहा है। यह हमारे देश के लोगों को किसी प्रकार की राहत देने की दिशा में कोई वास्तविक प्रयास नहीं है। यह लोगों को बेवकूफबनाने की कवायद है। प्रेमदासा ने तर्क दिया कि श्रीलंका एक अग्रणी ठोस बदलाव चाहता हैका जो उसके लोगों को राहत दे न कि राजनेताओं को राहत दे। उन्होंने कहा कि राजनीति संगीतमय कुर्सियों का गेम नहीं है।

इस बीच, श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने राष्ट्रीय संकट का समाधान खोजने के लिए विपक्षी दलों को एकता सरकार में शामिल होने का न्योता दिया है। सभी राजनीतिक दलों को लिखे पत्र में, राजपक्षे ने मौजूदा संकट के लिए कई आर्थिक और वैश्विक कारकों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों को निमंत्रण भेजकर मंत्री पद लेने का आग्रह किया है।

मनोकामना की ज्योत

चैत्र नवरात्रि पर मंदिरों में प्रज्ज्वलित हुई आस्था की ज्योति

भिलाई। हिन्दू नववर्ष व चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन से सभी देवी मंदिरों में आस्था की ज्योत जलाने श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा। भक्तों ने माता के दरबार में मत्था टेक सुख और समृद्धि की कामना की। घरों व मंदिरों में विधिवत ज्योति कलश की स्थापना कर मनोकामना ज्योत प्रज्जवलित की गई।

लाशें दफनाने के लिए खोदा गया 45 फीट लंबा गड्ढा, कीव में एक साथ मिले 410 लोगों के शव

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन में मौत का तांडव जारी है। रूस ने इस देश को इतने गहरे जख्म दिए हैं, जिन्हें याद कर आने वाली पीढ़ियां सिहर उठेंगी। यूक्रेन के अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि कीव से लौटने से पहले रूसी सैनिकों ने यहां युद्ध अपराधों को अंजाम दिया है और वह अपने पीछे एक भयानक मंजर छोड़ गए हैं। दरअसल, यूक्रेन राजधानी कीव में एक साथ 410 लोगों के शव मिले हैं। इसमें से कईयों के हाथ बंधे हुए थे और उनके माथे पर गोली मारी गई।

यूक्रेन से आई इस तस्वीर ने हर किसी को डरा दिया है। इस बीच एक अमेरिकी कंपनी की ओर से कीव की कुछ सैटेलाइट तस्वीरें जारी की गई हैं। इसमें दावा किया गया है कि, इन लाशों को दफ्नाने के लिए कीव की एक चर्च में 45 फीट लंबा गड्ढा खोदा गया है।

रूसी सैनिकों के अड्डों के पास मिले शव

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ज्यादातर शव उन स्थानों पर मिले, जहां पर रूसी सैनिकों ने अपना अड्डा बनाया था। बताया जा रहा है कि, इसमें कई लोगों के हाथ बंधे हुए थे, कुछ के पांव तो कुछ के माथे पर गोली मारी गई थी। यूक्रेनी अधिकारियों ने इन हत्याओं के लिए रूस को पूरी तरह से दोषी ठहराया है। वहीं राष्ट्रपति जेलेंस्की का कहना है कि यह नरसंहार का सबसे बड़ा सबूत है।

रूस ने किया खंडन

यूक्रेन के आरोपों का रूस की ओर से खंडन किया गया है। रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से बयान जारी कर कहा गया है कि, इन शवों की तस्वीरों और वीडियो का प्रबंध यूक्रेन ने पश्चिम देशों और वहां की मीडिया के लिए किया है। बूचा शहर छोड़ने के बाद वहां के महापौर ने किसी प्रकार की हिंसा और उत्पीड़न का जिक्र नहीं किया है। एक भी नागरिक को रूसी सेना द्वारा किसी हिंसक कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ा है।

विकास के छत्तीसगढ़ मॉडल ने पूरे देश में फिर लहराया परचम देश में सबसे कम बेरोजगारी वाले राज्यों में प्रदेश अव्वल

- छत्तीसगढ़ में बेरोजगारी दर अब तक के सबसे न्यूनतम स्तर पर, मात्र 0.6 प्रतिशत जबकि देश में बेरोजगारी दर 7.5 प्रतिशत
- नीतिगत फैसलों और बेहतर प्रबंधन ने घटाई राज्य की बेरोजगारी दर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सेंटर फॅार मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनॉमी संगठन द्वारा जारी किये गये बेरोजगारी के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार मार्च माह में छत्तीसगढ़ में बेरोजगारी दर अब तक के सबसे न्यूनतम स्तर 0.6 प्रतिशत पर पहुंच गई। सबसे कम बेरोजगारी दर वाले राज्यों में छत्तीसगढ़ देश में अव्वल है। मार्च में ही देश में बेरोजगारी दर 7.5 प्रतिशत रही।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में एक बार फिर विकास के छत्तीसगढ़ मॉडल ने पूरे देश में अपनी सफलता का परचम बुलंद कर दिया है। आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ 0.6 प्रतिशत के साथ देश में सबसे कम बेरोजगारी दर वाले राज्यों में अव्वल है। राज्य सरकार के नीतिगत फैसले और बेहतर कार्यप्रबंधन से लगातार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। जिससे राज्य की बेरोजगारी दर में लगातार गिरावट आ रही है। 2 अप्रैल 2022 की स्थिति में सीएमआईई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार सर्वाधिक बेरोजगारी दर हरियाणा में 26.7 प्रतिशत, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर में 25-25 प्रतिशत, झारखंड में 14.5 प्रतिशत, बिहार में 14.4 प्रतिशत, त्रिपुरा में 14.1प्रतिशत, हिमाचल प्रदेश में 12.1 प्रतिशत रही।

कोरोना काल के दौरान बेरोजगारी दर पूरी तरह नियंत्रित रही

कोरोना की पहली और दूसरी लहर के दौरान भी देशव्यापी आर्थिक मंदी से छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था अछूती रही। तब भी छत्तीसगढ़ में बेरोजगारी दर पूरी तरह नियंत्रित रही। नये आंकड़ों के मुताबिक छत्तीसगढ़ 0.6 प्रतिशत के साथ सबसे कम बेरोजगारी वाले राज्यों में पहले स्थान पर है। छत्तीसगढ़ में आने वाले 05 वर्षों में 12 से 15 लाख रोजगार के नये अवसरों का निर्माण करने के लिए रोजगार मिशन का संचालन किया जा रहा है। नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार देश में बेरोजगारी दर 7.5 प्रतिशत है। शहरी बेरोजगारी दर 8.5 प्रतिशत और ग्रामीण बेरोजगारी 7.1 प्रतिशत है।

योजनाओं से राज्य के विकास को मिल रही गति

छत्तीसगढ़ ने समावेशी विकास का लक्ष्य निर्धारित करते हुए तीन साल पहले महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज्य की परिकल्पना के अनुरूप नया मॉडल अपनाया था, जिसके तहत गांवों और शहरों के बीच आर्थिक परस्परता बढ़ाने पर जोर दिया गया है। इसी मॉडल के अंतर्गत गांवों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सुराजी गांव योजना, नरवा-गरवा-घुरवा-बारी कार्यक्रम, गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, रूरल इंडस्ट्रीयल पार्कों की स्थापना, लघु वनोपजों के संग्रहण एवं वैल्यू एडीशन, उद्यमिता विकास जैसी योजनाओं और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रदेश सरकार के द्वारा चलाई जा रही इन योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नये-नये अवसर सृजित हो रहे हैं। इन योजनाओं से राज्य के विकास को गति मिल रही है, जिससे प्रदेश में बेरोजगारी दर में लगातार गिरावट आ रही है।

संपादकीय

पाकिस्तान में संकट

पाकिस्तान में सियासी संकट फिर गहराना न सिर्फ शर्मनाक, बल्कि दुखद भी है। तकनीक से धन तक, हर छोटी-बड़ी चीज के लिए दुनिया के देशों पर निर्भर पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार ने अविश्वास मत प्रस्ताव से बचने के लिए विदेशी ताकतों को जिम्मेदार ठहरा दिया है। विचित्र स्थिति के बीच वहां रविवार को संसद भंग कर दी गई है और अब सबकुछ ठीक रहा, तो 90 दिनों में चुनाव कराए जाएंगे। जब संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान होना था, तब संसद के डिप्टी स्पीकर ने विदेशी साजिश का हवाला देते हुए प्रस्ताव को ही खारिज कर दिया। हालांकि, स्पष्ट है कि वहां सरकार संसद का विश्वास खो चुकी है और उसने खुद को कुछ दिन और सत्ता में बचाने के लिए यह कदम उठाया है। अब इमरान खान की पूरी कोशिश होगी कि वह कथित विदेशी ताकतों को ही मुद्दा बनाकर चुनाव में जाएं और लोगों से वोट मांगें। क्या पाकिस्तान के मतदाता इमरान खान पर विश्वास करेंगे? इशारा साफहै कि पाकिस्तान में आगामी चुनाव बहुत नाटकीय होंगे। बड़े-बड़े दावों और वादों की बौछार होगी।

> “ यह अच्छी बात है कि पाकिस्तानी फौज परिदृश्य में पीछे है, वरना ऐसे सियासी मौकों पर उसे सत्ता कब्जाने की साजिश में अक्सर देखा गया है। यह जम्हूरियत पसंद पाकिस्तानी नेताओं के लिए बेहतर अवसर है कि वह पूरी जिम्मेदारी का परिचय दें और बहुमत द्वारा शासन की आदर्श स्थिति बनाएं। पाकिस्तान में सच्ची जम्हूरियत न सिर्फदक्षिण एशिया, बल्कि दुनिया के लिए हितकारी है।

आज पाकिस्तान बड़े त्रासद सवालों से घिर गया है। क्या वाकई अमेरिका इमरान खान की सरकार गिराने में लगा हुआ है? इस मामले में पाकिस्तान अपने सबसे करीबी मित्र चीन पर कभी उंगली नहीं उठाएगा और जहां तक भारत का सवाल है, तो पाकिस्तान में सरकार गिराने या बनाने में भारत की कभी भूमिका नहीं रही है। कुल मिलाकर, विशेषज्ञ भी यही मान रहे हैं कि इमरान अपनी कमियों का ठीकरा विदेशी ताकतों पर फोड़ रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं कि पाकिस्तान जिस भी देश को दोषी ठहराएगा, उस देश से उसके संबंध और बिगड़ेंगे। खैर, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के तर्क विपक्ष के गले नहीं उतरे हैं और विपक्ष न केवल बर्खास्त संसद में अड़ता दिख रहा है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश ने उचित ही आनन-फानन में मामले की सुनवाई के लिए विशेष पीठ का गठन कर दिया है। विपक्षी दल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी का कहना है कि इमरान सरकार ने संविधान की धज्जियां उड़ा दी हैं। कम से कम पंद्रह दिन से यह बात बिल्कुल साफ थी कि विपक्ष संख्याबल में मजबूत है और सत्तारूढ़ पार्टी में फूट इतनी बढ़ चुकी है कि उसे दुरुस्त नहीं किया जा सकता। कायदे से बहुमत बनाए रखने में नाकाम इमरान खान को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था या संसद को विश्वास में लेने की पुरजोर कोशिश के बाद मतदान कराना चाहिए था, लेकिन उन्होंने संसद में न आते हुए सत्ता बनाए रखने का यह आसान तरीका आजमाया। लेकिन विपक्ष भी हार मानने वाला नहीं है, पूरा विपक्ष एकजुट होकर सांविधानिक अधिकार की मांग कर रहा है। पाकिस्तान में जो अविश्वास का माहौल बन गया है, उसे अचानक से दूर नहीं किया जा सकता। सत्ता मोह अपनी जगह है, लेकिन लोकतंत्र में सत्ता पास रखने के लिए बहुमत उससे भी जरूरी है। हालांकि, यह अच्छी बात है कि पाकिस्तानी फौज परिदृश्य में पीछे है, वरना ऐसे सियासी मौकों पर उसे सत्ता कब्जाने की साजिश में अक्सर देखा गया है। यह जम्हूरियत पसंद पाकिस्तानी नेताओं के लिए बेहतर अवसर है कि वह पूरी जिम्मेदारी का परिचय दें और बहुमत द्वारा शासन की आदर्श स्थिति बनाएं। पाकिस्तान में सच्ची जम्हूरियत न सिर्फदक्षिण एशिया, बल्कि दुनिया के लिए हितकारी है।

24 में गैर-भाजपावाद?

संभव नहीं कि ऐसा कोई सीन बने। यों ऐसे आशावादी है जो मानते है कि विपक्ष से सन् 2024 में भाजपा को मुश्किल होगी। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर इसकी गणित बताते हुए है। उन्हे क्षत्रपों से भरोसा है। लेकिन आम चुनाव में गणित से ज्यादा जनता से कनेक्टीविटी की केमेस्ट्री का मतलब होता है। और ऐसा नेता की बदौलत। गौर करें हाल के दो-चार महिनों पर। ममता बनर्जी लगातार राष्ट्रीय राजनीति की फू-फा करते हुए है। हाल में उन्होने विरोधी पार्टियों के नेताओं को पत्र लिखा। ऐसे ही तेलंगाना के चंद्रशेखर राव ने मुंबई जा कर शरद पवार से बात की। शरद पवार अर्से से राष्ट्रीय महत्वकांक्षा में फडफडाते हुए है। उधर प्रशांत किशोर ममता बनर्जी, शरद पवार आदि के साथ अखिल भारतीय चुनावी जमीन बनाने की कोशिश में है। मगर क्या कोई एक भी नेता, एक भी कोशिश वह स्पार्क लिए हुए है जिससे सबका लक्ष्य एक दिशा में जाता समझ आए? एक भी कोई नेता वैसे धुरी बनता हुआ लगता है जैसे सन् 1977 में जयप्रकाश नारायण थे, 1989 में हरकिशनसिंह सुरजीत, वीपीसिंह हुए थे या बाद में अटलबिहारी वाजपेयी के इर्द-गिर्द जमावड़ा बना था। हां, गैर-कांग्रेसवाद के खिलाफ भारत में विपक्षी गठजोड तभी कामयाब हुआ जब दो -चार नेता धुन के साथ पार्टियों को मनाने-पटाने, प्रोग्राम बनवाने, आंदोलन करवाने में जुटे रहे। चंद्रबाबू नायडू, शरद यादव से ले लेकर सीपीएम के हरकिशन सिंह सुरजीत की भागदौड जबरदस्त हुआ करती थी। दक्षिण में भी एनटी रामाराव, रामकृष्ण हेगड़े और चंद्रबाबू नायडु ने कांग्रेस के खिलाफ विपक्ष बनाने के लिए कम काम नहीं किया था। आज कौन है? चंद्रशेखर राव में छटपटाहट है लेकिन उन्हे भी यह समझ नहीं आता कि कांग्रेस की धुरी के बिना विपक्ष खड़ा नहीं हो सकता। और कांग्रेस की दिक्कत यह है कि वह लगातार निराकार लीडरशीप में है। राहुल गांधी अपनी पार्टी के भीतर ही नेताओं का मन जीते हुए नहीं है तो केसीआर, ममता, शरद पवार, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल से कैसे कैमेस्ट्री बना सकते है।

-हरिशंकर व्यास

> “ दुनिया पहले ही सेमीकंडक्टर की किल्लत से जूझ रही है और अब इस युद्ध ने दबाव और बढ़ा दिया है। ऐसी अनेक चीजें हैं, जिनके दामों में लगातार तेजी पूरी दुनिया को परेशान कर रही है और अब वह रूस के साथ तनाव को और बढ़ाने के बजाय बात को खत्म करवाने के पक्ष में दिख रही है। हालांकि, रूस और यूक्रेन, दोनों ही देशों के भीतर राष्ट्रवाद का ज्वार भी दिख रहा है, लेकिन बाकी दुनिया की आबादी सही और गलत के बारे में राय रखते हुए भी मामला खत्म करवाना चाहती है।

पूरी रणनीति से मुकाबले में रूस

आलोक जोशी,वरिष्ठ पत्रकार

यूक्रेन पर रूस के हमले को चालीस दिन हो चुके हैं। यूक्रेन की हालत खराब है, यह तो किसी से छिपा नहीं है, लेकिन जिस रफ्तार से यूक्रेन बर्बाद हो रहा है, उसी रफ्तार से रूस का खजाना भी खाली हो रहा है। युद्ध शुरू होते ही खबरें आने लगी थीं कि देश कंगाली के कगार पर पहुंच गया है, शेयर बाजार को बंद करना पड़ा और रूसी मुद्रा रूबल की कीमत रसातल में चली गई।

युद्ध नहीं रुका, लेकिन पिछले एक महीने में तस्वीर फिर काफी बदल चुकी है। मार्च के महीने में रूसी मुद्रा रूबल दुनिया की सबसे तेजी से बढ़नेवाली मुद्रा बन चुकी है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रूबल की कीमत में 60 प्रतिशत का उछाल आया है। यूक्रेन पर हमले से पहले एक डॉलर करीब 76 रूबल का होता था, हमले के बाद 7 मार्च को इसकी कीमत 139 रूबल पर पहुंच चुकी थी, जो इतिहास में रूबल की सबसे कम कीमत थी। लेकिन मार्च खत्म होते-होते एक डॉलर खरीदने के लिए 82 रूबल से भी कम की जरूरत पड़ने लगी। युद्ध शुरू होने के साथ ही लोग रूबल का दाम दिखा-दिखाकर पुतिन की आलोचना कर रहे थे कि कैसे उन्होंने अपनी अर्थव्यवस्था का भट्ठा बैठा दिया है, लेकिन अब इनमें से ज्यादातर जानकार चुप्पी साधे बैठे हैं और देख रहे हैं कि आखिर पुतिन ने आपदा में अवसर कैसे ढूंढ़ निकाला। यह बात समझना रोचक भी है और जरूरी भी।

युद्ध के साथ ही दुनिया भर में रूस की आलोचना शुरू हुई और यह कोशिश भी कि कैसे उसे यूक्रेन से कदम वापस खींचने को मजबूर किया जाए। हालांकि, अमेरिका या नाटो देशों में से कोई भी सीधे-सीधे युद्ध में उसकी मदद के लिए आगे नहीं आया, लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों ने रूस पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगाकर उस पर दबाव बनाने की कोशिश जरूर की। लेकिन इस कहानी में एक पेच है

और पेच भी मामूली नहीं है। रूस दुनिया में कच्चे तेल और गैस के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक है। उसके सबसे बड़े खरीदार यूरोप के वे देश हैं, जो उस पर प्रतिबंध लगाने में हिस्सेदार हैं। इन देशों को पता है कि रूस के तेल के बिना उनका गुजारा नहीं हो सकता। अगर रूस से तेल की आपूर्ति बंद हो जाए, तो दुनिया भर में तेल और गैस के दाम कैसे बढ़ेंगे, इसका नमूना पिछले एक महीने में दिख चुका है। कच्चे तेल का दाम जो हमले के पहले 90 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था, हमला होते ही तेजी से भागना शुरू हुआ और 130 डॉलर तक पहुंच गया। हालांकि, उसके बाद से इसमें उतार-चढ़ाव चल रहा है और युद्ध खत्म होने की उम्मीद जागते ही यह फिर 100 डॉलर के आसपास मंडराने लगा है। लेकिन इससे यह बात साफहो रही है कि कीमत सिर्फ रूस को नहीं चुकानी है, पूरी दुनिया को चुकानी पड़ेगी।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन भी शायद इस बात को अच्छी तरह समझते हैं। इसीलिए उन्होंने आर्थिक प्रतिबंधों के मुकाबले में एक जवाबी चाल चल दी। एक तरफ तो पुतिन पहले ही रूस से निर्यात करनेवाली कंपनियों को निर्देश दे चुके थे कि वे अपना 80 प्रतिशत भुगतान रूबल में ही लेने पर जोर दें। जाहिर है, कंपनियों को अपने खरीदारों को इसके लिए राजी करना होगा, लेकिन इन कंपनियों पर तो रूस की सरकार का जोर चलता है और ऐसा करने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में रूबल की मांग भी पैदा हो जाती। इसके ऊपर उन्होंने तुरुप का पत्ता चला। उन्होंने यह शर्त लगाई कि जो देश रूस के मित्र नहीं हैं, जो नाटो या अमेरिका के साथ हैं, उन्हें अब रूस से तेल खरीदना है, तो भुगतान रूबल में ही करना होगा। यूरोपीय संघ के बहुत से बड़े-छोटे देश जो रूस से तेल खरीदते हैं और उन्होंने इसके लिए लंबे समय के करार कर रखे हैं। इस वक्त वे न तो कहीं और देखना चाहते हैं और न ही ऊंची कीमत चुकाना चाहते हैं। यही वजह है कि रूस पर प्रतिबंध लगने के समय से ही इन सबने साफकर दिया था कि युद्ध और पाबंदियों के बावजूद वे रूस से तेल खरीदना जारी रखेंगे। खास बात यह है कि रूस से पश्चिमी यूरोप को जानेवाला तेल और गैस यूक्रेन के रास्ते पाइपलाइन से भी जाता है। सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे वाला यह फॉर्मूला चलता, तो रूस पर दबाव काफी बढ़ जाता, लेकिन व्लादिमीर पुतिन की शर्त ने मामला उलट दिया। अब दबाव दोनों तरफबराबर हो चुका है। अगर आप रूबल को नहीं मानते, तो फिर तेल और गैस कहीं और से ले लो।

हालांकि, जानकारों को लगता है कि यह भी दबाव की रणनीति ही ज्यादा है, क्योंकि जिस वक्त राष्ट्रपति पुतिन चेतावनी दे रहे थे कि शुक्रवार से रूबल में भुगतान न करने वाले देशों को आपूर्ति बंद कर दी जाएगी, उस वक्त भी रूस की बड़ी तेल कंपनियों से आपूर्ति बदस्तूर जारी थी। दूसरी तरफ जर्मनी और इटली जैसे देशों की सरकारें भी पूरी तरह मुत्मइन दिख रही थीं। उनका कहना है कि रूस की शर्तें उनके देश पर लागू नहीं होती हैं।

तेल की खरीद-बिक्री से आगे इस किस्से का एक पहलू यह भी है कि दुनिया भर में इस संकट का असर महसूस होने लगा है। रूस सिर्फ तेल ही नहीं बेचता। गेहूं, मक्का, तिलहन, कोयला और अनेक धातुओं का भी वह बहुत बड़ा निर्यातक है। वह पैलेडियम का दुनिया में सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। यह वह धातु है, जो सेमीकंडक्टर यानी कंप्यूटर चिप बनाने के लिए बेहद जरूरी है। दुनिया पहले ही सेमीकंडक्टर की किल्लत से जूझ रही है और अब इस युद्ध ने दबाव और बढ़ा दिया है। ऐसी अनेक चीजें हैं, जिनके दामों में लगातार तेजी पूरी दुनिया को परेशान कर रही है और अब वह रूस के साथ तनाव को और बढ़ाने के बजाय बात को खत्म करवाने के पक्ष में दिख रही है। हालांकि, रूस और यूक्रेन, दोनों ही देशों के भीतर राष्ट्रवाद का ज्वार भी दिख रहा है, लेकिन बाकी दुनिया की आबादी सही और गलत के बारे में राय रखते हुए भी मामला खत्म करवाना चाहती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत में अमेरिका विरोध का चौंकाने वाला पुनरूत्थान

राहुल जैकब,आर्थिक शोधकर्ता व वरिष्ठ पत्रकार

मई 1959 में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफकैनेडी ने विदेश नीति से संबंधित अपने एक भाषण में तर्क दिया था, दुनिया में कोई भी संघर्ष आज भारत और चीन के बीच के संघर्ष से अधिक समय व ध्यान देने योग्य नहीं है। उन्होंने कहा था कि भारत और चीन के बीच एक सूक्ष्म, लेकिन बहुत वास्तविक लड़ाई है, जो मानव गरिमा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता और उस रेड चाइना के बीच है, जो मानवाधिकारों के प्रति निर्मम नकार का प्रतिनिधित्व करता है।

तीन साल बाद भी राष्ट्रपति कैनेडी ने उस बयानबाजी का समर्थन किया, जब भारतीय सेना 1962 के युद्ध में चीनी हमले से जूझ रही थी। जैसा कि ब्रूस रिडेल ने अपनी शानदार पुस्तक जेएफक्रेज फॉरगॉटन क्राइसिस में लिखा है। अक्तूबर और नवंबर, 1962 से राष्ट्रपति कैनेडी ने चीन-भारत युद्ध का दैनिक विवरण लिया। रिडेल लिखते हैं, दो महीने तक यह मुद्दा शीर्ष गुप्त सूचना के दैनिक कवरेज पर हावी रहा, जिसे कैनेडी देख रहे थे। जवाहरलाल नेहरू के एक अनुरोध के जवाब में कैनेडी प्रशासन, भारत की ओर से लड़ने के लिए अमेरिकी सैनिकों के स्क्वाड्रन भेजने के लिए तैयार दिखाई दिया। युद्ध की तैयारी करते हुए कैनेडी ने व्हाइट हाउस के प्रतिनिधिमंडल को भी नई दिल्ली के लिए रवाना कर दिया था। एक विमानवाहक पोत को मद्रास के लिए रवाना किया गया था, लेकिन बाद में संकट कम होने पर उसे वापस बुला लिया गया था। चीन द्वारा किया गया अचानक युद्धविराम रिडेल के आकलन के अनुसार, कम से कम आंशिक रूप से ही सही, व्हाइट हाउस की प्रतिक्रिया का नतीजा था। इतिहास के लिए एक फुटनोट यह है कि दो दर्जन अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल भारत पहुंचा था। तत्कालीन राजदूत जॉन केनेथ गैलब्रेथ ने भारत में बिताए अपने समय को याद किया था और अपने यादगार संस्मरण में मजाक में कहा था कि प्रतिनिधिमंडल इतना बड़ा था कि उन्होंने नेहरू के साथ बैठक के लिए एक चर्च किराए पर लेने पर विचार किया था।

यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद से भारतीय टिप्पणीकारों के एक बड़े समूह, टीवी एंकरों से लेकर गपशप लिखने वाले लेखकों तक ने रूस के प्रति समर्थन दर्शाया

है। भारत में बड़ी संख्या में लोग रूसी दावों के समर्थन में दुर्लभ ढंग से एकमत दिखे हैं। निक्सन प्रशासन की धमकियों के बीच 1971 के युद्ध के दौरान भारत के लिए रूस के समर्थन को हमेशा याद किया जाता है। इराक और अफगानिस्तान में युद्धों के दौरान भी अमेरिका के दोहरे मानकों पर प्रकाश डाला जाता है। दूसरी ओर, अफगानिस्तान में सोवियत/रूसी क्रूरता और सीरिया में असद शासन का समर्थन करने की अनदेखी की जाती है।

ऐसा लगता है कि हमें चयन में भूल करने की बीमारी हो। 1991 के बाद से भारत के आर्थिक सुधारों के लिए मजबूत अमेरिकी समर्थन और अमेरिका-भारत परमाणु समझौते के कारण दोनों देशों के बीच फिर सद्भाव की स्थिति बनी है। भारत की राजकीय यात्राओं पर बिल क्लिंटन से लेकर बराक ओबामा तक आए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति भारतीयों और भारतीय नेताओं के साथ हिले-मिले दिखाई दिए हैं। क्लिंटन ने राजस्थान में एक महिला सरपंच से प्रभावित होकर कहा था कि वह एक दशक के दौरान कहीं से भी चुनाव जीत सकती हैं। बाद में मिशेल ओबामा ने स्कूली छात्राओं के साथ रंग दे बसंती गीत पर नृत्य किया था। वैश्विक जलवायु शिखर सम्मेलन में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ओबामा द्वारा बार-बार गुरु शब्द के इस्तेमाल को भला कौन भूल सकता है?

ऐसी पृष्ठभूमि के बावजूद अमेरिका के प्रति पनपी घृणा चौंकाने वाली है। अमेरिका के प्रति यह विरोध तब है, जब अमेरिका में 40 लाख भारतीय मूल के लोग हैं। स्वर्गीय सन्नी मेहता से लेकर माइक्रोसॉफ्ट में सत्या नडेला और अल्फाबेट व गूगल में सुंदर पिचाई तक, भारतीय अपने-अपने उद्योगों व कंपनियों में सुधार कर रहे हैं। 1991 से अमेरिकी कंपनियों ने भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का नेतृत्व किया है।

साल 1992 में फॉर्च्यून ऑन इंडिया रिफॉर्म्स के लिए मैंने जो कवर स्टोरी लिखी थी, उसकी शुरुआत इन शब्दों के साथ हुई थी कि कभी समाजवादी रहा भारत विदेशी निवेशकों के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ कश्मीरी कालीन तैयार कर रहा है। बाद में मैंने उस लंगड़े वाक्य को हटाने की नाकाम कोशिश भी की थी, क्योंकि मुझे पता था कि भारत दोहरे व्यक्तित्वों (गर्व से समाजवादी/बेशर्मी से कुलीन) का देश होगा। शायद हमारे बहुआयामी व्यक्तित्व में कुछ ऐसा है, जो यूक्रेन पर रूसी हमले को सही ठहराता है। हालांकि, यह असुविधाजनक तथ्य है कि रूस उन देशों से घृणा करता है, जो कभी सोवियत संघ में शामिल थे, ये सभी देश अब रूस से दूर जा रहे हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

फौजी शिकंजे में ढील

वेद प्रताप वैदिक

केंद्र सरकार ने असम, नगालैंड और मणिपुर के ज्यादातर क्षेत्रों से अफ्सपा याने 'आर्म्ड फोर्सेज़ स्पेशल पावर्स एक्ट' को हटाकर सराहनीय कदम उठाया है। 1958 में यह कानून नेहरु सरकार को इसलिए बनाना पड़ा था कि भारत के इन पूर्वी सीमा के प्रांतों में काफी अराजकता फैली हुई थी। कई बागी संगठनों ने इन प्रांतों को भारत से तोड़ने का बीड़ा उठा रखा था। उन्हें ईसाइयत के प्रचार के नाम पर पश्चिमी मुल्क भरपूर सहायता दे रहे थे और चीन समेत कुछ पड़ौसी देश भी उनकी सक्रिय मदद कर रहे थे। इसीलिए इस कानून के तहत भारतीय फौज को असाधारण अधिकार प्रदान कर दिए गए थे। इन क्षेत्रों में नियुक्त फौजियों को अधिकार दिया गया था कि वे किसी भी व्यक्ति पर ज़रा भी शक होने पर उसे गिरफ्तार कर सकते थे, उसकी जांच कर सकते थे और उसे कोई भी सजा दे सकते थे। उन्हें किसी वारंट या एफआईआर की जरुरत नहीं थी। इन फौजियों के खिलाफ न तो कोई रपट लिखवा सकते थे और न ही उन पर कोई मुकदमा चल सकता था। दूसरे शब्दों में इन क्षेत्रों की जनता 'मार्शल लॉ' के तहत जीवन गुजार रही थी।

कई निर्दोष और निरपराध लोग भी इस कानून की चपेट में आते रहे हैं। लगभग इन सभी राज्यों की सरकारें इस कानून को हटाने की मांग करती रही हैं। इस कानून को हटाने की मांग को लेकर मणिपुर से इरोम शर्मिला नामक महिला ने 16 वर्ष तक लगातार अनशन किया। यह विश्व का सबसे लंबा और अहिंसक अनशन था। हालांकि यह कानून अभी हर क्षेत्र से पूरी तरह नहीं हटाया गया है, फिर भी 60 प्रतिशत क्षेत्र इससे मुक्त कर दिए गए हैं। पिछले 7-8 सालों में उग्रवादी हिंसक घटनाओं में 74 प्रतिशत की कमी हुई है। सैनिकों की मौत में 60 प्रतिशत और नागरिकों की मौत में 84 प्रतिशत कमी हो गई है। पिछले साल 4 दिसंबर को नगालैंड के मोन जिले में फौज के अंधाधुंध गोलीबार से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इस दुर्घटना ने उक्त कानून की वापसी की मांग को काफी तेज कर दिया था। सच्चाई तो यह है कि पूर्वी सीमांत के इन इलाकों में इस तरह का कानून और पुलिस का निरंकुश बर्ताव अंग्रेजों के जमाने से चल रहा था।

केंद्र की विभिन्न सरकारों ने समय-समय पर इस कानून में थोड़ी-बहुत ढील तो दी थी लेकिन अब केंद्र सरकार ने इसे पूरी तरह से हटाने का रास्ता खोल दिया है। पिछले कुछ वर्षों में इन इलाकों के लगभग 70,000 उग्रवादियों ने आत्म-समर्पण किया है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

खास खबर

मुख्यमंत्री ने विधि-विधान से की बस्तर की आराध्य देवी मां दन्तेश्वरी की पूजा

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चैत्र नवरात्र के अवसर पर दन्तेवाड़ा जिले में स्थित प्रसिद्ध बस्तर की आराध्य देवी मां दन्तेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर हिन्दू नवर्ष और चैत्र नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मंदिर के अर्चकों ने विधि पूर्वक पूजा अनुष्ठान कराया। माता रानी के आशीर्वाद से समस्त प्रदेशवासियों के जीवन में सदैव सुख-शांति एवं समृद्धि बनी रहे इसकी कामना की। साथ ही प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर हो। सीएम ने ज्योति कलश के दर्शन किये। मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा प्रसाद के रूप में तैयार किए गए महुआ लड्डू का स्वाद सीएम ने लिया। पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने स्वयं सेवादारों के पास जाकर भोजन परोसा। सेवादारों को धोती, कुर्ता, गमछा व प्रत्येक को 11 सौ रूपये भेंट की। मुख्यमंत्री ने चंद्रखुरी के तर्ज पर ज्योति कलश भवन बनाने की बात की। इस मौके पर पुजारी विजेन्द्र नाथ ठाकुर ने सेवादारों के मानदेय वृद्धि का ज्ञापन मुख्यमंत्री को सौंपा। इस अवसर पर दंतेवाड़ा प्रभारी मंत्री कवासी लखमा, बस्तर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष लखेश्वर बघेल, सांसद दीपक बैज, दंतेवाड़ा विधायक श्रीमती देवती महेंद्र कर्मा, औषधि पादप बोर्ड उपाध्यक्ष छबिन्द्र कर्मा, जिला पंचायत सदस्य सुलोचना कर्मा, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अवधेश सिंह गौतम, अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर दीपक सोनी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत आकाश छिकारा, वनमण्डलाधिकारी संदीप बलगा, अपर कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे, एसडीएम अबिनाश मिश्रा सहित अन्य समाज प्रमुख एवं अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

आदिवासियों को जमीनी हक दिलाने का किया जा रहा है लगातार प्रयास : मुख्यमंत्री

वनांचल में दिए जा रहे व्यक्तिगत, सामुदायिक और सामुदायिक वन संसाधन अधिकार

आदिवासियों के विरुद्ध दर्ज 1242 प्रकरण वापस

सिरहा, बैगा, गुनिया को प्रतिवर्ष 7 हजार रूपए सम्मान राशि

''बस्तर अकादमी ऑफडांस आर्ट एंड लिट्रेचर'' के संचालन में समाज प्रमुखों की सक्रिय भूमिका

आदिवासियों के हित में उठाए जा रहे कदम की सराहना करते हुए समाज प्रमुखों ने मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बस्तर प्रवास के दौरान रविवार को आदिवासी समाज के प्रमुखों से आदिवासी वर्ग हेतु संचालित योजनाओं एवं भविष्य के रणनीति पर सार्थक चर्चा की। मुख्यमंत्री द्वारा आदिवासी वर्ग के समाज प्रमुखों से उनके समाज के कल्याण से जुड़ी समस्याओं को स्थानीय अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि को अवगत कराने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में अधिकारियों को प्राथमिकता एवं गंभीरता के साथ समस्या के निराकरण करने हेतु निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि स्थानीय आदिवासी संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन कार्य हेतु ग्राम आसना में स्थापित किये गये ''बस्तर अकादमी ऑफ डांस आर्ट एंड लिट्रेचर'' के संचालन में समाज प्रमुखों की सक्रिय भूमिका रही है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा आदिवासी वर्ग के कल्याण हेतु निरंतर प्रयास किये जा रहे है। इसी कड़ी में आदिवासियों के विरुद्ध दर्ज 1242 प्रकरणों को वापस किया गया है।

आदिवासियों को जमीनी हक दिलाने हेतु 4 लाख 45 हजार 865 हितग्राहियों को व्यक्तिगत वनअधिकार पत्र, 45 हजार 764 सामुदायिक वन अधिकार पत्र तथा 3 हजार 528 सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र वितरित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त पूर्व में निरस्त किये गये व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र के आवेदनों को पुनर्विचार में लेते हुए पात्र पाये गये 31 हजार 243 हितग्राहियों को व्यक्तिगत वनअधिकार पत्र प्रदाय किया गया है। व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र प्राप्त हितग्राहियों में से 2 लाख 41 हजार 274 हितग्राहियों को शासन द्वारा निर्धारित किसान सम्मान निधि प्राप्त हुई है।

शासन द्वारा स्वरोजगार की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। बस्तर संभाग के आदिवासी महिलाओं द्वारा शासन की योजनाओं से लाभ प्राप्त कर स्वावलंबी बनने की ओर अग्रसर है। जिला-बस्तर के दरभा विकासखंड में महिलाओं के द्वारा पपीता एवं कॉफी उत्पादन, दंतेवाड़ा जिले में डेनेक्स के माध्यम से कपड़ा उत्पादन एवं कोंडागांव जिले में उत्पादित किये जा रहे तिखुर शेक की देश-विदेश के बाजारों में लगातार मांग इसका उदाहरण है।

बस्तर संभाग की परंपरागत संस्कृति का अहम हिस्सा देवगुड़ी के संधारण हेतु प्रतिवर्ष प्रदाय किये जाने वाली राशि को एक लाख रूपए से बढ़ाकर 5 लाख रूपए किया गया एवं घोटुल का निर्माण करवाया जा रहा है। सामाजिक संरचना के अंग सिरहा, बैगा, गुनिया को राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजान्तर्गत शामिल करते हुए अनिवार्यतः प्रतिवर्ष 7 हजार रूपए सम्मान राशि प्रदाय करने की घोषणा की गयी है।

राजस्व संबंधी मामलों के निराकरण एवं सुविधा के दृष्टि से नवीन राजस्व अनुविभाग कार्यालय एवं तहसील गठन करने का निर्णय लिया गया है, इससे प्रशासन की आम जनता तक सीधे पहुंच बढ़ेगी। नवीन अनुविभाग एवं तहसील गठन में बस्तर संभाग में 01 अनुभाग तथा 06 तहसील शामिल है। नामांतरण जैसे मूलभूत राजस्व कार्य हेतु ई-पोर्टल बनाया गया, जिससे त्वरित रूप से सरलता से नामांतरण कार्य संपन्न हो सकेगा।

आदिवासी समाज के प्रमुखों द्वारा आदिवासी वर्ग के उत्थान एवं कल्याण हेतु शासन द्वारा किये जा रहे प्रयासों हेतु मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया गया तथा बस्तर संभाग में कानून व्यवस्था कायम रखते हुए समाज प्रमुखों द्वारा आवश्यक सहयोग प्रदाय करने की सहमति दी गयी ताकि क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द्र का वातावरण बना रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केल्हारी में एक्सरे की सुविधा प्रारम्भ

कलेक्टर ने बीते दिनों निरीक्षण कर एक्सरे संचालन शुरू करने के दिये थे निर्देश

दो दिनों में ही हुई एक्सरे की व्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया । प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केल्हारी में नवीन पोर्टेबल एक्सरे मशीन की स्थापना कर संचालन शुरू कर दिया गया है। नवीन मशीन की स्थापना एवं लैब टेक्नीशियन की व्यवस्था से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र के लोगों तक एक्सरे की सुविधा मिलेगी।

बीते दिनों केल्हारी क्षेत्र में पहुंचे कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा के समक्ष समाधान तुंहर दुआर शिविर में ग्रामीणों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्थापित एक्सरे मशीन को शुरू कराने की मांग रखी। जिसपर त्वरित संज्ञान लेते हुए कलेक्टर ने स्वयं निरीक्षण कर सीएमएचओ से फोन पर बात की एवं एक्सरे मशीन को 1 सप्ताह के भीतर शुरू किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मेडिकल ऑफिसर को जल्द ही लैब टेक्नीशियन नियुक्त किए जाने तथा आवश्यक व्यवस्थाएं किए जाने के निर्देश दिए थे।

सीएमएचओ डॉ रामेश्वर शर्मा ने बताया कि मात्र 2 दिवस के भीतर ही पोर्टेबल एक्सरे मशीन की स्थापना कर एवं लैब टेक्नीशियन की व्यवस्था कर मशीन का संचालन शुरू कर दिया गया है। उसी दिवस को एक्सरे मशीन स्थापना के पश्चात ही एक्स रे का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। एक्सरे की सुविधा उपलब्ध होने से अब केल्हारी व दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीण वासियों को एक्सरे जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा हेतु जिला अस्पताल या मनेंद्रगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

छत्तीसगढ़ सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग को उनके अधिकार का 27 प्रतिशत आरक्षण देने हेतु कृत संकल्पित

पिछड़ा वर्ग के हितों की नहीं होगी अनदेखी : मुख्यमंत्री

सर्व समाज को जोड़कर ग्रामसभा को सशक्त करना है, पेसा कानून के बारे में भ्रान्तियों के समाधान हेतु समाज में जागरूकता की आवश्यकता

जगदलपुर और कांकेर में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 50-50 लाख रुपए देने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज जगदलपुर के लालबाग में आयोजित अन्य पिछड़ा वर्ग के संभाग स्तरीय सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वे स्वयं अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित होने के कारण इस वर्ग की समस्याओं को भली भांति समझते हैं तथा इन समस्याओं के निराकरण की दिशा में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा ठोस पहल की जा रही है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग को उनके अधिकार का 27 प्रतिशत आरक्षण देने हेतु कृत संकल्पित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के हितों की अनदेखी नहीं की जाएगी। उन्होंने इस अवसर पर जगदलपुर और कांकेर में अन्य पिछड़ा वर्ग के सामुदायिक भवन के लिए 50-50 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा भी की। उन्होंने इस अवसर पर अन्य पिछड़ा वर्ग के नियमावली का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री होने के नाते सभी वर्गों को समान अधिकार दिलाना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सर्व समाज को जोड़कर ग्रामसभा को सशक्त करना है, पेसा कानून के बारे में भ्रान्तियों के समाधान हेतु समाज में जागरूकता की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किसानों की कर्जमाफी, धान का बेहतर मूल्य, तेंदूपत्ता की मूल्य वृद्धि, समर्थन मूल्य पर वनोपजों की खरीदी के साथ ही प्रसंस्करण आदि कार्यों से अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों की आय में वृद्धि हुई है।

बेहतर शिक्षा के माध्यम से इन्हें सशक्त करने के साथ ही आर्थिक उन्नति के लिए भी निरंतर कार्य किया जा रहा है। भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के माध्यम से भी उनकी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नरवा, गरुआ, घुरवा और बाड़ी कार्यक्रम के माध्यम से जल संरक्षण, पशु संवर्धन, रोजगार, पोषण और आय में वृद्धि के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां के जनप्रतिनिधि, समाज के सदस्यों तथा सुरक्षा जवानों के अथक प्रयासों से बस्तर में बरसों बाद शांति आ रही है। उन्होंने शांति की ओर लौट रहे बस्तर में रचनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता बताई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में पेसा कानून लागू है तथा इसके नियम बनाने की कार्यवाही चल रही है। उन्होंने कहा कि गांव के सदस्य ही इस समिति के सदस्य बनेंगे। उन्होंने ग्राम सभाओं को सशक्त करने के लिए अनिवार्य तौर पर ग्राम सभाओं में शामिल होने की अपील भी की। उन्होंने अन्य पिछड़ा वर्ग की भागीदारी के लिए उनकी संख्या के गणना के लिए क्वांटिफायबल डाटा आयोग के माध्यम से जानकारी एकत्रित की जा रही है तथा इस कार्य में सभी की भागीदारी आवश्यक है। इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री कवासी लखमा, सांसद दीपक बैज, संसदीय सचिव रेखचंद जैन, हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष चंदन कश्यप, चित्रकोट विधायक राजमन बेंजाम, क्रेडा के अध्यक्ष मिथिलेश स्वर्णकार, मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष एम.आर. निषाद, महापौर श्रीमती सफीरा साहू, नगर निगम सभापति श्रीमती कविता साहू, जनप्रतिनिधिगण सहित समाज के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

अनिला भेड़िया ने ग्राम पंचायत चिपरा में सीसी रोड व कला मंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दल्लीराजहरा। श्रीमती अनिला भेड़िया केबिनेट मंत्री महिला बाल विकास व समाज कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन ने ग्राम पंचायत चिपरा में पांच लाख रुपयों की लागत से सी सी रोड व तीन लाख रुपयों की लागत से कला मंच निर्माण का भूमिपूजन किया । ,कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती कुमारी भुआर्य सरपंच ग्राम पंचायत चिपरा ,विशेष अतिथि पीयूष सोनी मंत्री प्रतिनिधि , श्रीमती बसंती दुग्गा अध्यक्ष जनपद पंचायत डौंडी ,पुनीत सैन उपाध्यक्ष जनपद पंचायत डौंडी ,यश राणा जनपद सदस्य ,टीकम नेताम जनपद सदस्य , कोमेश कोर्राम अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी डौंडी ,राजाराम तारम जनपद सदस्य ,उदेराम सिवना ,प्रकाशचंद्र कुचेरिया ,शब्बीर खान ,अनिल सुथार पूर्व जनपद सदस्य थे।

ंत्री के ग्राम चिपरा आगमन पर ग्रामीणों ने बाजे गाजे के साथ भव्य स्वागत करते हुए कार्यक्रम स्थल तक लेकर आये।,कार्यक्रम का शुभारंभ धरती माँ की पूजा अर्चना कर गैंती चलाकर किया गया । श्रीमति अनिला भेड़िया ने

भूमिपूजन कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी और उसका लाभ उठाने प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा वन क्षेत्र के निवासियों के हित को ध्यान में रखते हुए 61 लघु वनोपजों की खरीदी समर्थन मूल्य पर की जा रही है, उसका लाभ उठाएं।

उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि वे धान के अतिरिक्त दलहन-तिलहन फसल लें। भांठा, टिकरा जमीन पर कोदो, कुटकी, रागी आदि फसल लेकर अपनी आमदनी में बढ़ोत्तरी करें। उन्होंने कहा कि राज्य शासन द्वारा राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना शुरू किया गया है। इस योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को लाभ मिलना शुरू हो गया है। मंत्री श्रीमती भेंडिया ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में समाज के सभी वर्गों की बेहतरी के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है,श्रीमती भेड़िया ने ग्रामीणों की मांग पर चिपरा — किल्लेकोडा मार्ग पर नाले पर 2.70करोड़ रुपयों की लागत से पुल निर्माण की स्वीकृति होने की जानकारी देते हुए जल्द ही पुल का निर्माण कार्य चालू होने की जानकारी देते हुए जनपद सदस्य यश राणा की मांग पर ग्राम चिपरा में मंगल भवन निर्माण कराने की घोषणा की ,कार्यक्रम को यश राणा जनपद सदस्य ,श्रीमती कुमारी बाई भुआर्य सरपंच ने भी सम्बोधित किया।

गर्मियों में खाली पेट घर से बाहर न निकलें, लू से बचें

रायपुर। गर्मियों के मौसम में लू लगने से बीमार होने के अनेक मामले आते हैं। कुछ जरूरी सावधानियां अपनाकर इससे बचा जा सकता है। ग्रीष्म ॠतु में लू चलना आम बात है। इस मौसम में तेज धूप एवं गर्मी के कारण लू लगने की संभावना रहती है। लू लगने का प्रमुख कारण शरीर में नमक और पानी की कमी होना है। पसीने के रूप में शरीर से नमक और पानी का बड़ा हिस्सा शरीर से बाहर निकल जाता है और खून में गर्मी बढ़ जाती है। लू लगना खतरनाक एवं जानलेवा भी हो सकता है। शरीर में कुछ लक्षणों के आधार पर जाना जा सकता है कि हमें लू लग गयी है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में गौठानों की अहम भूमिकाः मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के सम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने में गोठानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। गोठानों को आजीविका के केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन केन्द्रों में महिला स्व-सहायता समूहों में युवाओं को रोजगार मूलक कार्यों से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि गांधी जी के सपनों को साकार करने की दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। बघेल बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के पलारी विकासखंड अंतर्गत ग्राम जर्वे में आयोजित पलारी राज कुर्मी क्षत्रिय समाज के 76 वॉ वार्षिक राज अधिवेशन को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री बघेल ने ग्राम के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी झालू राम चंद्रवंशी,सालिक राम चंद्रवंशी,एवं समाजसेवी चौबीस राम चंद्रवंशी को याद करते हुए समाज के पूर्वजों को श्रद्धासुमन अर्पित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने ग्राम जर्वे में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की याद में 30 लाख रुपये की समाजिक समरसता की स्वीकृति दी। जिसमें गांव के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी झालू राम चंद्रवंशी, सालिक राम चंद्रवंशी, समाजसेवी चौबीस राम चंद्रवंशी की मूर्ति भी लगाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने बलौदाबाजार अनुविभाग अंतर्गत तहसील पलारी में एक दिन के लिंक कोर्ट,जिला मुख्यालय में स्वामी आत्मानंद के नाम से नवीन पुस्तकालय एवं बजट में शामिल जर्वे माइनर नहर लाइन को शीघ्र प्रारंभ की घोषणा की। इसके अलावा नवीन हायर सेकंडरी स्कूल हेतु भवन, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की बाउंड्री वाल, व्यावसायिक परिसर सहित मिनी स्टेडियम बनाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने गांधीवादी नेता एवं समाजसेवी चौबीस राम चंद्रवंशी के जनहित के कार्यों को याद करते हुए कहा कि उनके बुलावे पर तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी 80 के दशक में ग्राम जर्वे पहुँची थी। इंदिरा जी ने इस अंचल को जर्वे माइनर नहर लाइन की सौगात दी थी। हम उनके कार्यो को आगें बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुर्मी समाज प्रगतिशील समाज है। समाज मे व्याप्त विभिन्न विसंगतियों को दूर करने सार्थक कदम उठाए जा रहे है। किसी भी समाज मे परिवर्तन के लिए शिक्षा बहुत आवश्यक है। इस मौके पर उन्होंने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को समाज की ओर से सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री बघेल ने आगे कहा कि हमने छत्तीसगढ़िया अस्मिता को जगाने एवं छत्तीसगढी संस्कृति को बचाने लगातार कार्य कर रहें हैं। स्थानीय तीज त्योहार समेत व्यजनों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में नई सरकार के गठन के बाद धान खरीदी की मात्रा और किसानों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि गौठान केवल गाय-बैल को एकत्र कर रखने ठौर हीं नहीं बल्कि इसे हम ग्रामीण आजीविका के महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में विकसित कर रहे हैं। राज्य के अन्नदाताओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने राजीव गांधी किसान न्याय योजना शुरू की गई है। बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा प्रदान करने में राज्य में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोले गए हैं। गोधन न्याय योजना से ग्रामीणों, किसानों और पशुपालकों को रोजगार नए स्रोत मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोधन न्याय योजना की पूरे देश में सराहना की जा रही है। गांव की परंपरा को पुनर्जीवित करने का काम सरकार द्वारा किया जा रहा है। योजनाओं को चलाने के लिए सभी की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने किसानों से वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग करने और गोठानों के लिए पैरादान करने का आव्हान भी किया। सम्मेलन की अध्यक्षता कुर्मी समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष चोवाराम वर्मा ने की। इस अवसर पर संसदीय सचिव एवं विधायक शकुन्तला साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष राकेश वर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष खिलेन्द्र वर्मा, जिला अध्यक्ष हितेंद्र ठाकुर,जिला पंचायत सदस्य अदिति बघमार,नगर पंचायत पलारी अध्यक्ष यशवर्द्धन वर्मा, सरपंच मुन्नी वर्मा, पलारी राज अध्यक्ष रघुनंदन वर्मा सहित समाज के जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

खास खबर

मुख्यमंत्री ने दाऊ कल्याण सिंह की जयंती पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने समाज सेवी और छत्तीसगढ़ के महान दानवीर दाऊ कल्याण सिंह की 04 अप्रैल को जयंती पर उन्हें नमन किया है। श्री बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में दाऊ कल्याण सिंह दानशीलता के लिए प्रसिद्ध हैं। वे दीन-दुखियों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि दाऊ कल्याण सिंह ने रायपुर स्थित डी के अस्पताल के अलावा कई अस्पताल, पुस्तकालय, कॉलेज, जलाशय जैसे कई कामों के लिए मुक्त हाथों से कई एकड़ जमीन दान कर दी। इससे समाज के हर वर्ग को आसानी से शिक्षा और चिकित्सा सुविधा देने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि दाउ जी के पुण्यकर्म हमेशा उनकी याद दिलाते रहेंगे। उनका नाम छत्तीसगढ़ में हमेशा आदर के साथ लिया जाता रहेगा।

प्रवीण जैन होंगे रायपुर एयरपोर्ट के नए निदेशक, वर्तमान निदेशक होंगे दिल्ली में पदस्थ

रायपुर (ए)। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट माना के नए निदेशक प्रवीण आर. जैन होंगे। वर्तमान निदेशक डॉ. राकेश सहाय का तबादला दिल्ली स्थित मुख्यालय में किया गया है। उन्होंने माना एयरपोर्ट में तीन वर्ष से अभी अधिक समय तक सेवाएं पूरी कर ली थी। नए निदेशक इससे पहले दिल्ली में पदस्थ थे। एयरपोर्ट अथारिटी ऑफ इंडिया ने तबादले के इस संबंध में विभागीय आदेश जारी कर दिया है। एयरपोर्ट सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक नए निदेशक अगले हफ्ते सोमवार तक कार्यभार संभाल लेंगे। गौरतलब है कि डॉ. राकेश सहाय के तीन वर्षों के कार्यकाल में कई नई सुविधाओं का विस्तार हुआ। कोरोनाकाल के दौर में वर्तमान में हवाई उड़ानें सामान्य स्थिति में आ चुकी है। माना एयरपोर्ट में नया एटीसी टावर, एयरोब्रिज सहित अन्य सुविधाएं शुरू की गई।

सैप्टिक टैंक में जहरीली गैस जांचने के लिए रायपुर नगर निगम ने मंगाया गैस मॉनिटर

रायपुर (ए)। सैप्टिक टैंकों की सफाई में जुटे 40 से अधिक कर्मचारियों को सेवा के साथ सुरक्षा के लिए रायपुर नगर निगम ने आवश्यक किट दिया है। निगम में अब गैस मॉनिटर भी उपलब्ध है, जिसकी मदद से संदेह होने पर टंकियों में जहरीली गैस की जांच की जा रही है। रायपुर नगर निगम के स्वच्छ भारत मिशन अभियान के सहायक नोडल अधिकारी योगेश कडू ने बताया कि महापौर एजाज ढेबर और निगमायुक्त प्रभात मलिक के निर्देश पर सक्शन मशीनों में काम करने वाले 40 से अधिक कर्मचारियों के सुरक्षा के लिए भी इंतजाम किया गया है। इसके तहत उन्हें मास्क, ग्लब्स, पर्सनल प्रोटेक्शन इक्विपमेंट, गम बूट, हेलमेट, गागल और पीपीई किट उपलब्ध कराई गई है। जिस सैप्टिक टैंक में संदेह होता है कि उसमें जहरीली गैस हो सकती है, उसकी गैस मॉनिटर मशीन से जांच की जाती है। कर्मचारियों के लिए इमरजेंसी होने पर ऑक्सीजन की भी व्यवस्था रखी गई है।

महात्मा गांधी पर अभद्र टिप्पणी करने वाले कालीचरण की रिहाई टली

जेल परिसर में जुटे समर्थक हुए निराश

रायपुर (ए)। महात्मा गांधी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले कालीचरण की रिहाई अभी टल गई है। प्रभारी जेलर जीडी पटेल ने बताया कि जेल प्रबंधन को महाराष्ट्र कोर्ट में लंबित मामले में मिली जमानत के दस्तावेज नही मिला है, इस वजह से कालीचरण को अभी छोड़ने जेल प्रशासन तैयार नही हो रहा है। जिससे रायपुर सेंट्रल जेल पहुंचे कालीचरण के समर्थकों में निराशा देखी जा रही है।

शुक्रवार को हाईकोर्ट से मिल गई थी जमानत

आपको बता दें कि कालीचरण को हाईकोर्ट से शुक्रवार को ही जमानत मिल गई थी। इसके बाद रायपुर ट्रायल कोर्ट में शनिवार को जमानत से सम्बंधित कुछ अहम दस्तावेज प्रस्तुत करने थे, लेकिन दसतावेज अधूरे होने की वजह से ट्रायल कोर्ट से रिहाई का आदेश जारी नहीं हो पाया। जानकारी के मुताबिक अधूरे दस्तावेजों को रविवार को पूरा किया गया। इसके बाद ट्रायल कोर्ट से रिहाई आदेश जारी हुआ है।

बता दें कि 92 दिनों से जेल में बंद कालीचरण को हाई कोर्ट ने शुक्रवार को सशर्त जमानत दे दी है। उसे एक लाख रुपये का निजी बांड व 50-50 हजार रुपये जमा करने वाले दो जमानतदार पेश करने के लिए कहा गया था। शनिवार को हाई कोर्ट के आदेश के आधार पर रायपुर कोर्ट में जमानदार पेश किए गए। इनमें से एक जमानतदार के दस्तावेज अधूरे थे। इस वजह से जज ने रिहाई पर रोक लगा दी।

इन धाराओं के तहत दर्ज हुआ था अपराध

कालीचरण के खिलाफ 153(ए),153(बी1), 295 ए,505(1) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। कालीचरण पर धर्मसंसद में महात्मा गांधी पर अभद्र टिप्पणी करने का आरोप है।

यह था पूरा मामला

कालीचरण पर 25-26 दिसंबर 2021 को रायपुर के रावणभाटा में आयोजित धर्म संसद कार्यक्रम में महात्मा गांधी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने का आरोप है। इसके बाद कालीचरण के खिलाफ टिकरापारा थाने में राजद्रोह का मामला पंजीबद्ध किया गयाथा। मध्यप्रदेश के खजुराहो से कालीचरण को लाज से गिरफ्तार किया गया था। रिमांड के बाद 31 दिसंबर से कालीचरण अब तक जेल में है।

शिवरीनारायण में भी राम वन गमन पथ परियोजना का काम पूरा, मुख्यमंत्री 10 अप्रैल को लोकार्पण करेंगे

8 अप्रैल से शुरू हो जाएगा समारोह, देश और प्रदेश के कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी राम वन गमन पथ परियोजना के तहत चंदखुरी के बाद अब शिवरीनारायण में भी विकास कार्य पूरा हो गया है। इन विकास कार्यों का लोकार्पण 8 अप्रैल से शुरू हो रहे लोकार्पण समारोह के अंतिम दिन 10 अप्रैल को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा किया जाएगा। शिवरीनारायण राम वन गमन पथ परियोजना के पहले चरण में चिन्हित उन स्थानों में शामिल है, जिन्हें पर्यटन-तीर्थ के रूप में विकसित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ राज्य ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक और प्राकृतिक धरोहरों के साथ ही गौरवशाली प्राचीन लोक संस्कृति का भी अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करता है। छत्तीसगढ़ मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का ननिहाल और उनकी कर्मभूमि भी है। 14 वर्षों के कठिन वनवास काल में श्रीराम ने अधिकांश समय छत्तीसगढ़ में व्यतीत किया था।माता कौशल्या की जन्म भूमि होने के कारण छत्तीसगढ़ में श्री राम को भांजे के रूप में पूजा जाता है। छत्तीसगढ़ में सांस्कृतिक धरोहरों, परंपराओं और रामायण कालीन अवशेषों को सहेजने और संवारने के उद्देश्य से राज्य में चिन्हांकित 75 स्थलों में से प्रथम चरण में 9 स्थानों पर राम वन गमन पर्यटन परिपथ के तहत अधोसंरचना विकास कार्यों, जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में पिछले वर्ष राम नवमी के अवसर पर माता कौशल्या मंदिर परिसर चंदखुरी का लोकार्पण किया गया था। इस वर्ष रामनवमी के अवसर पर 10 अप्रैल को शिवरीनारायण धाम, विष्णु कांक्षी तीर्थ में राम वन गमन पर्यटन परिपथ के विकास कार्यों का लोकार्पण समारोह आयोजित किया जा रहा है। 8,9और10अप्रैल को तीन दिवसीय भव्य आयोजन में देश-प्रदेश के प्रतिष्ठित कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। साथ ही प्रदेश स्तर पर रामायण मंडलियों की मानस गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे लगभग 7 हज़ार मानस गायकों ने भाग लिया है। इनमें से चयनित 25 जिलों की मानस मंडलियों के लगभग 350 कलाकार शिवरीनारायण में 8,9 और 10 अप्रैल को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रस्तुतियां देंगे। 10 अप्रैल को विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए जाएंगे और प्रथम स्थान प्राप्त विजेता दल की प्रस्तुति भी होगी।तीन दिवसीय इस आयोजन में पद्मश्री ममता चंद्राकर, पद्मश्री अनूप जलोटा, जस गीत गायक दिलीप षडंगी, मुंबई की पार्श्व गायिका अनुराधा पौडवाल तथा संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के भूतपूर्व छात्र छात्राओं के द्वारा शबरी के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिका की प्रस्तुति होगी।

निगम की पहल पर सिंधी समाज के नवयुवकों ने पोस्टर लेकर स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया

रायपुर (ए)। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से नगर निगम की पहल पर चेट्रीचंड पर्व पर सिंधी समाज के नवयुवकों ने पोस्टर लेकर स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया। यहीं नहीं लोगों को स्वच्छता का संदेश देने युवक-युवतियों ने झाड़ू लगाकर पुरानी बस्ती मुख्य मार्ग की साफ-सफाई की।इस मौके पर भगवान श्री झूलेलाल जन्मोत्सव शोभायात्रा का सभापति प्रमोद दुबे समेत पार्षदों स्वागत किया। रायपुर नगर निगम को स्वच्छता में नंबर वन बनाने को लेकर महापौर एजाज ढेबर, आयुक्त प्रभात मलिक, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष नागभूषण राव लगातार स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने, जीरो वेस्ट मैनेजमेंट, नो पालीथिन महाभियान को सफल बनाने की कोशिश कर रहे है।

शहर को स्वच्छ बनाने दिया संदेश

इसी क्रम में जोन क्रमांक पांच के अधिकारियों की पहल पर चेट्रीचंड पर्व व वरुणावतार भगवान श्री झूलेलाल के जन्मोत्सव के अवसर पर सिंधी समाज के युवाओं ने सर्व समाज के लोगों के साथ मिलकर निकाली गयी शोभायात्रा में न केवल शहर को स्वच्छ बनाने का संदेश दिया बल्कि लोगों को जागरूक भी किया।

निगम सभापति प्रमोद दुबे, उपनेता प्रतिपक्ष मनोज वर्मा, एमआइसी सदस्य जितेंद्र अग्रवाल, पार्षद बिरंद्र देवांगन, उत्तम साहू,जोन कमिश्नर महेंद्र पाठक, कार्यपालन अभियंता विमल शर्मा, सहायक अभियंता केके शर्मा के साथ लिली चौक के समीप वार्ड पार्षद कार्यालय के सामने के लगाए गए मंच से शोभायात्रा का स्वागत किया।

इको रेल जोन भुवनेश्वर माल ढुलाई में रहा देशभर में अव्वल, दूसरे नंबर पर रहा सेंट्रल रेल जोन बिलासपुर

रायपुर (ए)। इस्ट कोस्ट रेल जोन भुवनेश्वर लगातार दूसरे साल माल लदान (ढुलाई) में देश में पहले नबंर पर रहा है। 31 मार्च को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2021-2022 में 232.13 मिलियन टन माल का लदान करके जोन ने अपना ही पुराना रिकार्ड तोड़ दिया है। दूसरे नंबर पर 212.37 मिलियन टन के साथ साउथ इस्ट सेंट्रल रेल जोन बिलासपुर है।

भारतीय रेलवे में माल लदान में अकेले इन दोनों रेल जोन का योगदान 31.34 फीसद रहा है। कमाई के मामले में भी दोनों जोन ने नया रिकार्ड बनाया है। इस्ट कोस्ट रेल जोन भुवनेश्वर के अंतर्गत वाल्टेयर रेलमंडल द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-2022 में 66.88 मिलियन टन माल का लदान किया गया। जो कि गत वित्तीय वर्ष में किए गए कुल माल लदान 61.13 मिलियन टन के मुकाबले करीब 9.33 फीसद अधिक है।

699.88 करोड़ अधिक राजस्व की प्राप्ति हुई

माल लदान से इस रेलमंडल को हाल ही में समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में 7972.10 करोड़ रुपये राजस्व की प्राप्ति हुई है जो गत वित्तीय वर्ष की माल लदान से हुई आय 7272.88 करोड़ रुपये की तुलना में 699.88 करोड़ अधिक है। किरंदुल-कोत्तावालसा रेललाइन में बस्तर से लौह अयस्क व अन्य तरह के माल को मिलाकर 22.19 मिलियन टन माल का लदान किया। जो कि पिछले वित्तीय वर्ष में 18.78 मिलियन टन की अपेक्षा 3.41 मिलियन टन अधिक है।

वाल्टेयर रेलमंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक एके त्रिपाठी के कार्यालय से शुक्रवार रात जारी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि किरंदुल-कोत्तावालसा रेललाइन से माल लदान से 2646.58 करोड़ रुपये की आय हुई है। वित्तीय वर्ष 2020-2021 की तुलना में इस रेललाइन से माल ढुलाई से हाल ही समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में 254.26 करोड़ रुपये अधिक आय हुई है। केके रेललाइन में नक्सल हमलों से उत्पन्ना विपरीत परिस्थितियों की चुनौती का सामना करते हुए भी माल ढुलाई में रिकार्ड बनाने में सफलता मिली है।

वाल्टेयर रेलमंडल के प्रबंधक अनूप सतपथी ने कहा वाल्टेयर रेलमंडल ने बताया कि माल लदान व यात्री किराया सहित अन्य सभी क्षेत्रों को मिलाकर हाल ही समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में 8498 करोड़ रुपये की आय अर्जित की है। तो पिछले वर्ष की इसी अवधि में प्राप्त राजस्व से 11.44 फीसद अधिक है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

'केजीएफ' के अलावा बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाएंगी ये साउथ फिल्में

एक समय था जब भारतीय सिनेमा का मतलब ही बॉलीवुड हुआ करता था। लेकिन अब साउथ फिल्म इंडस्ट्री तेजी से बॉलीवुड से आगे निकलती हुई नजर आ रही है। इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर सिर्फसाउथ फिल्मों का ही डंका बज रहा है। कोरोना के बाद जब सिनेमाघर खुले तो अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा द राइज' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया और इन दिनों 'आरआरआर' की आंधी चल रही है। ये दो फिल्में तो सिर्फ शुरुआत हैं। आने वाले समय में साउथ फिल्म इंडस्ट्री की कई ऐसी फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार हैं जिसके आगे बॉलीवुड बोना साबित होता हुआ नजर आ सकता है। आइए आपको टॉलीवुड की अपकमिंग फिल्मों के नाम बताते हैं।

केजीएफः चैप्टर 2

'केजीएफः चैप्टर 2' साल 2022 की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के जरिए रॉकी भाई एक बार फिर से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा देंगे। प्रशांत नील के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म का पहला पार्ट साल 2018 में रिलीज हुआ था, जिसने रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी। वही, उम्मीद है कि फिल्म का दूसरा पार्ट भी बंपर कमाई करेगा। ये फिल्म 14 अप्रैल को रिलीज हो रही है, जिसमें यश, संजय दत्त, रवीना टंडन और प्रकाश राज जैसे कलाकार दिखाई देंगे।

बीस्ट

इस लिस्ट में पावर स्टार विजय की फिल्म 'बीस्ट' का नाम भी शामिल है, जिसका ट्रेलर हाल ही मे रिलीज हुआ है। फिल्म में विजय के साथ पूजा हेगड़े दिखाई देंगी। यह फिल्म 13 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यानी इस पावर स्टार विजय और यश के बीच बॉक्स ऑफिस पर टक्कर देखने को मिलेगी क्योंकि एक दिन बाद ही 'केजीएफ 2' रिलीज होगी।

आदिपुरुष

प्रभास साउथ इंडस्ट्री के पॉपुलर अभिनेता हैं लेकिन 'बाहुबली' के बाद वह भी हिट फिल्म के लिए तरस रहे हैं। प्रभास फिल्म 'आदिपुरुष' में नजर आएंगे। इस फिल्म में प्रभास 'राम' के किरदार में दिखाई देंगे। ये फिल्म 12 जनवरी 2023 को रिलीज होगी। इस फिल्म में प्रभास के साथ सैफ अली खान और कृति सेनन नजर आएंगी।

सालार

प्रभास की अपकमिंग फिल्मों में 'सालार' का नाम भी शामिल है। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी इस फिल्म में प्रभास के अलावा श्रुति हासन और जगपति बाबू दिखाई देंगे। ये फिल्म 14 अप्रैल को तमिल, हिंदी और मलयालम भाषा में रिलीज होने वाली थी। लेकिन 14 अप्रैल को प्रशांत नील के निर्देशन में बनी 'केजीएफ2' आ रही है। ऐसे में 'सालार' की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया। अब प्रभास की ये फिल्म अगले साल ही रिलीज होगी।

आचार्य

'आरआरआर' से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद राम चरण की अगली फिल्म 'आचार्य' रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म में राम चरण के अलावा चिरंजीवी, काजल अग्रवाल, पूजा हेगड़े और सोनू सूद जैसे कलाकार एक साथ दिखाई देंगे। ये फिल्म 29 अप्रैल को रिलीज होगी।

'आरआरआर' हिंदी का कलेक्शन 200 करोड़ के पार

आजादी के दो दीवानों की दिलचस्प दास्तां फिल्म 'आरआरआर' ने रविवार को भी अपना धमाल बॉक्स ऑफिस पर जारी रखा। फिल्म ने रिलीज के दूसरे हफ्ते में जो रफ्तार फिर से पकड़ी है, उससे लगने लगा है कि इसका वर्ल्ड वाइड कलेक्शन दूसरे हफ्ते में ही 1000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर जाएगा। इस बीच घरेलू कलेक्शन में फिल्म का शानदार प्रदर्शन जारी है और फिल्म के रविवार के कलेक्शन के शुरुआती आंकड़ों और सोमवार की एडवांस बुकिंग के हिसाब से इसके हिंदी संस्करण ने बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये का जादुई आंकड़ा छू लिया।

फिल्म 'आरआरआर' ने अपनी रिलीज के नौवें दिन यानी दूसरे शनिवार को शानदार प्रदर्शन किया। फिल्म ने शनिवार के अंतिम आंकड़ों के मुताबिक देश में कुल 564.80 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। और, रविवार को भी यानी फिल्म की रिलीज के 10वें दिन इसका कलेक्शन अच्छा रहा। फिल्म ने रविवार के शुरूआती आंकड़ों के मुताबिक करीब 55 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर किया है। फिल्म ने रविवार को करीब 16 करोड़ रुपये तेलुगू संस्करण से कमाए। फिल्म 'आरआरआर' हिंदी का कलेक्शन रविवार के शुरुआती रुझानों के मुताबिक करीब 23 करोड़ रुपये रहा। फिल्म 'आरआरआर' हिंदी ने रिलीज के पहले हफ्ते में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 132.59 करोड़ रुपये की कमाई की।

इन दिनों आहार में जरूर शामिल करें खीरा सेहत के लिए इन मामलों में है विशेष फायदेमंद

गर्मियों का मौसम सेहत की देखभाल को लेकर काफी चुनौतीपूर्ण जरूर माना जाता है, पर इस समय कई ऐसे फल-सब्जियां उपलब्ध होते हैं जिनका सेवन शरीर के लिए विशेष फायदेमंद हो सकता है। खीरा ऐसा ही एक पसंदीदा फल है, जो गर्मी के दिनों में बहुतायत मात्रा में उपलब्ध होता है। खीरा लाभकारी पोषक तत्वों के साथ-साथ कई प्लांट बेस्ड यौगिकों और एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर होता है। शरीर में पानी की पूर्ति करने वाले इसके गुण इसे गर्मियों के लिए सबसे पसंदीदा और स्वास्थ्यवर्धक बनाते हैं। सलाद से लेकर पेय तक, खाने से लेकर चेहरे पर लगाने तक, खीरा संपूर्ण सेहत के लिए कई प्रकार से लाभप्रद हो सकता है।

गर्मी के दिनों में चूंकि डिहाइड्रेशन का जोखिम अधिक हो जाता है, ऐसे में रोजाना आहार में खीरा को शामिल करने से आप इस समस्या से बचे रह सकते हैं। खीरा कैलोरी में कम होते हैं और इसमें अधिक मात्रा में पानी और घुलनशील फाइबर होता है, जो इसे हाइड्रेशन को बढ़ावा देने और वजन को नियंत्रित रखने के लिए आदर्श बनाता है। खीरा में प्राकृतिक रूप से मौजूद गुण सेहत के लिए इसे कई और प्रकार से लाभदायक बनाते हैं, आइए आगे की स्लाइडों में खीरा से होने वाले ऐसे ही कुछ फायदों के बारे में जानते हैं।

कई तरह की बीमारियों से मिलती है सुरक्षा

खीरा में शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट्स गुण मौजूद होते हैं। एंटीऑक्सिडेंट्स, शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाली क्षति से बचाने में मदद करते हैं, जिससे कैंसर जैसी कई गंभीर बीमारियों का जोखिम कम हो जाता है। फ्री रेडिकल्स के कारण हृदय, फेफड़े और ऑटोइम्यून बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। खीरे के स्वास्थ्य लाभ को जानने के लिए किए गए एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि इसका 30 दिनों तक सेवन शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा में सुधार कर सकता है।

निर्जलीकरण से बचाता है

खीरे में मौजूद पानी की मात्रा इसे काफी पसंदीदा और स्वास्थ्यवर्धक बनाती है। खीरे का सेवन तापमान में होने वाले बदलाव के दुष्प्रभाव से बचाने और अपशिष्ट पदार्थों को शरीर से बाहर निकालने में सहायक हो सकता है। खीरा का सेवन करके शरीर के लिए रोजाना पानी की आवश्यकताओं की पूर्ति करने में मदद मिल सकती है। 442 बच्चों पर किए गए एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि खीरे का सेवन शरीर में जल की मात्रा में सुधार करने में फायदेमंद हो सकता है।

ब्लड शुगर को रखता है कंट्रोल

खीरे का सेवन डायबिटीज रोगियों के लिए भी लाभदायक हो सकता है, यह रक्त शर्करा के स्तर को कम करने और मधुमेह की जटिलताओं को रोकने में मदद कर सकता है। जानवरों और टेस्ट-ट्यूब अध्ययनों में पाया गया है कि डायबिटीज की समस्या में खीरा का सेवन करना आपके लिए लाभदायक हो सकता है। चूहों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि खीरे के छिलके का अर्क मधुमेह से जुड़े अधिकांश जटिलताओं को कम करने और ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में काफी फायदेमंद हो सकता है।

वजन कम करने में भी सहायक

खीरा संभावित रूप से वजन कम करने में भी आपकी मदद कर सकता है। सबसे पहले ये कैलोरी में कम होते हैं, ऐसे में इसका सेवन करने से वजन नहीं बढ़ता। 100 ग्राम खीरे में सिर्फ16 कैलोरी होती है। इसका मतलब है कि आप अतिरिक्त कैलोरी के बिना खीरा खा सकते हैं। खीरा का सलाद और रायता, ताजगी और स्वाद को बढ़ाने के साथ आपकी सेहत को कई और तरह से भी लाभ दे सकते हैं।

नाइट शिफ्ट में करते हैं काम तो सेहत को लेकर रहें अलर्ट इन बातों का रखें विशेष ध्यान वरना हो जाएंगे बीमार

सामान्यतौर पर दिन का समय काम करने और रात का समय सोने और शरीर को आराम देने के लिए निर्धारित होता है। हालांकि कुछ विशेष प्रकार के कार्य से संबंधित लोगों को अलग-अलग शिफ्ट में काम करते रहने की जरूरत होती है। ऐसे में लोगों को रात के समय भी काम करना पड़ता है, आम बोलचाल की भाषा में इसे नाइट शिफ्ट वर्क कहा जाता है। डॉक्टर, नर्स, अग्निशामक, ड्राइवर, हवाई यातायात नियंत्रक और कुछ अन्य आवश्यक कार्यों से जुड़े लोगों को रात के समय काम करना पड़ता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक संबंधित क्षेत्र का काम अनवरत चलता रहे, इसके लिए नाइट शिफ्ट में काम होना आवश्यक है, पर सेहत के लिहाज से इसकी कई चुनौतियां हो सकती हैं।

रात की पाली में काम करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। लगातार इसी पाली में काम करने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर इसका नकारात्मक असर भी हो सकता है। अध्ययन भी इसकी पुष्टि करते हैं कि ऐसे लोगों में कई तरह की बीमारियों का जोखिम, दिन की पाली में काम करने वालों की तुलना में अधिक होता है।

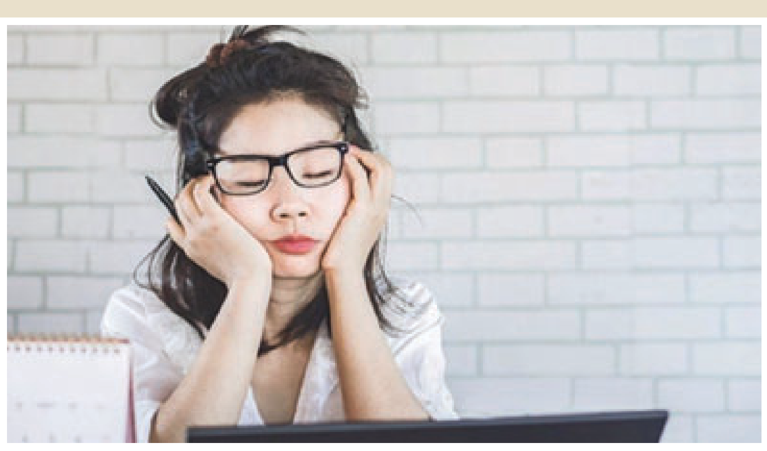

कई तरह की समस्याओं का जोखिम

नेशनल स्लीप फाउंडेशन के अनुसार, नाइट शिफ्ट और लंबे समय तक काम करने वाले लोगों में कई तरह की समस्याओं का खतरा हो सकता है। इनमें मेटाबॉलिज्म संबंधी समस्याओं, हृदय रोग, पाचन संबंधी कठिनाइयों, मोटापा और कुछ प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे लोगों की नींद अक्सर पूरी नहीं हो पाती है, इसलिए इसका साइड इफेक्ट भी उनकी सेहत को प्रभावित कर सकता है।

नींद पूरी करने की कोशिश जरूरी

रात के समय नींद पूरी न होने के कारण थकान और चिड़चिड़ापन की समस्या बढ़ जाती है, नाइट शिफ्ट वाले लोगों में भी इस तरह की दिक्कत होना सामान्य है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक रात में जागने से सर्कैडियन रिदम प्रभावित होता है, जिसके कारण व्यवहार और शारीरिक रूप से कई समस्याएं हो सकती हैं। इन दिक्कतों से बचे रहने के लिए काम शुरू करने से पहले एक छोटी नैप ले सकते हैं। नींद पूरी करने की कोशिश करें।

आहार का रखें ध्यान

शोध बताते हैं कि रात की पाली में काम करने वाले कर्मचारियों में मेटाबोलिक सिंड्रोम का जोखिम अधिक होता है। इसके अलावा आहार ठीक न होने और स्लीप साइकिल डिस्टरबेंस के कारण मोटापे का खतरा 23 फीसदी तक बढ़ जाता है। ऐसे लोगों को आहार को लेकर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। स्वस्थ और पौष्टिक चीजों का सेवन करें। जंक-प्रोसेस्ड फूड्स से बचें। रात में काम के दौरान खाते रहने की आदत नुकसानदायक हो सकती है।

बहुत अधिक कॉफी-चाय न पिएं

रात में अक्सर जागने के लिए लोग कॉफी-चाय का सेवन करते हैं। इनमें पाया जाना वाले कैफीन एक उत्तेजक के रूप में काम करता है, जो शरीर को सक्रिय रखने में मदद करता है। हालांकि बहुत अधिक कैफीन का शरीर पर कई तरह से नकारात्मक असर भी हो सकता है। कैफीन वाली चीजों का अनुचित उपयोग गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं और मांसपेशियों में कंपन पैदा कर सकता है।

यामी गौतम का इंस्टा अकाउंट हुआ हैक

एक्ट्रेस ने ट्वीट कर बताया-मैं कल से इंस्टाग्राम यूज नहीं कर पा रही हूं, मेरे अकाउंट से असामान्य गतिविधि हो सकती हैं

बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम का इंस्टाग्राम अकाउंट हैक हो गया है। इस बात की जानकारी यामी ने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी है। साथ ही उन्होंने अपने फैंस और फॉलोअर्स को उनके ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए किसी भी तरह की असामान्य गतिविधि के बारे में चेतावनी भी दी है।

शायद मेरा इंस्टा अकाउंट हैक हो गया हैः यामी गौतम

यामी गौतम ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से पोस्ट शेयर कर लिखा, नमस्ते, मेरी यह पोस्ट आप सभी को सूचित करने के लिए है कि मैं कल से अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को यूज नहीं कर पा रही हूं। शायद मेरा इंस्टा अकाउंट हैक हो गया है। हम इसे जल्द से जल्द ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच, अगर मेरे अकाउंट के जरिए किसी भी तरह की असामान्य गतिविधि होती है, तो कृपया इसके बारे में अवगत रहें। शुक्रिया!

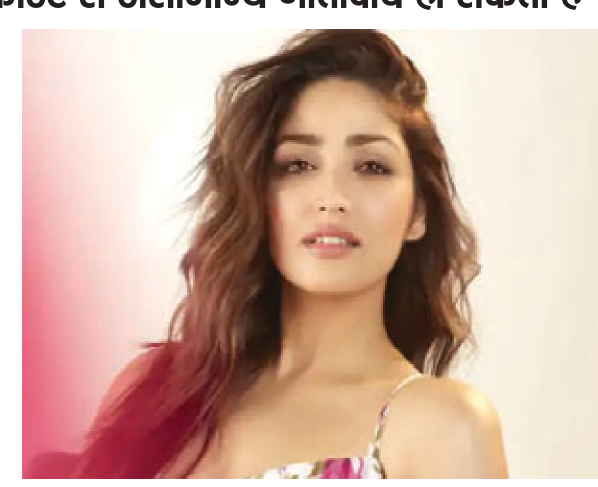

एक सक्रिय इंस्टाग्राम यूजर होने के नाते, यामी की बड़ी फैन फॉलोइंग है। अपडेट पोस्ट करने के कुछ मिनट बाद ही उनके फैंस कमेंट कर एक्ट्रेस पर जमकर प्यार बरसाते हैं। उनका लेटेस्ट इंस्टा पोस्ट 2 दिन पहले का था, जिसमें उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म का एक गाना शेयर किया है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो यामी जल्द ही अपनी अपकमिंग फिल्म 'दसवीं' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म यामी के अलावा अभिषेक बच्चन और निम्रत कौर भी लीड रोल में नजर आने वाले हैं। 'दसवीं' 7 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी। इस फिल्म के अलावा यामी अनिरुद्ध रॉय चौधरी की 'लॉस्ट' और 'OMG-2' में भी नजर आएंगी।

प्रभास को हॉलीवुड से मिला सुपर हीरो बनने का न्यौता 'आदिपुरुष' में राम के चरित्र की विदेश तक चर्चा

दक्षिण भारतीय सितारों की देश के दूसरे राज्यों में बढ़ती धमक दूर हॉलीवुड तक सुनाई दे रही है। भारतीय बाजार के हिसाब से अपनी फिल्मों की कहानियां चुन रहे हॉलीवुड स्टूडियोज हिंदी फिल्मों के सितारों को तो अपनी फिल्मों में जगह देते रहे हैं लेकिन अब उनका ध्यान दक्षिण भारतीय सिनेमा की तरफ पहली बार गया है। सब कुछ ठीक रहा तो फिल्म 'बाहुबली' सीरीज के सुपरस्टार प्रभास अपनी अगली अखिल भारतीय फिल्म 'आदिपुरुष' की रिलीज से पहले हॉलीवुड की एक मेगा बजट फिल्म में सुपरहीरो के तौर पर काम शुरू कर सकते हैं।

अपनी पिछली फिल्म 'राधेश्याम' की विफलता के बाद से प्रभास सार्वजनिक कार्यक्रमों में कम ही दिखे हैं। लेकिन, वह इसका कोई अफसोस भी नहीं मना रहे। प्रभास के पास भारतीय सिनेमा की चंद सुपर मेगा बजट फिल्मों का काम अब भी है। अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण के साथ वह निर्देशक नाग अश्विन की फिल्म कर रहे हैं। फिल्म 'केजीएफ' के निर्देशक प्रशांत नील के साथ उनकी फिल्म 'सालार' के पोस्ट प्रोडक्शन का काम भी तेजी से पूरा हो रहा है। इसके अलावा उनके पास एक फिल्म निर्देशक संदीप वांगा रेड्डी की भी है।

लेकिन, जिस फिल्म का देश भर के दर्शकों के अलावा दुनिया भर में इंतजार हो रहा है वह फिल्म है, 'आदिपुरुष'। और सूत्र बताते हैं कि इस फिल्म में पराक्रमी राम का जो रूप प्रभास ने धरा है, उसके चर्चे हॉलीवुड तक पहुंच चुके हैं। निर्देशक ओम राउत की इस फिल्म में प्रभास का रूप उनके 'बाहुबली' अवतार से भी विशाल माना जा रहा है। प्रभास ने इस फिल्म के लिए जबर्दस्त मेहनत की है और ये पहली हिंदी फिल्म होने जा रही है जो देश की मुख्य भाषाओं के साथ साथ दुनिया की उन तमाम देशों की भाषाओं में भी डब की जाएगी, जहां राम की कथाएं किसी न किसी रूप में परंपराओं के रूप में चली आ रही हैं।

फिल्म 'आदिपुरुष' की पोस्ट प्रोडक्शन टीम से मिले इनपुट के बाद एक दिग्गज हॉलीवुड स्टूडियो के हाल ही में प्रभास से संपर्क करने की जानकारी सामने आई है। इस बारे में स्टूडियो की तरफ से तो अब तक कुछ नहीं कहा गया है लेकिन सूत्र बताते हैं कि प्रभास को इस फिल्म में एक एशियन सुपरहीरो का किरदार करने का प्रस्ताव मिला है। मार्वल स्टूडियोज की पिछली फिल्म 'इटर्नल्स' में भी एक किरदार ऐसा दिखाया गया था जो हिंदी फिल्मों के हीरो के रूप में काम कर रहा है।

अभिनेता प्रभास को मिले इस प्रस्ताव के पीछे जिस स्टूडियो का नाम सामने आ रहा है, उसकी योजना आने वाले समय में भारत, चीन, सिंगापुर और कोरिया के सिनेमाई बाजार के हिसाब से कंटेंट तैयार करने की है। फिल्मों का सबसे ज्यादा कारोबार इस क्षेत्र में चीन के बाद कोरिया और फिर भारत में होता है। भारत में अभी तकरीबन नौ हजार स्क्रीन्स ही हैं जबकि चीन में इनकी संख्या 60 हजार के करीब बताई जाती है। प्रभास की फिल्मों और उनकी खुद की देश के बाहर बढ़ती स्वीकार्यता के चलते ही उन्हें हॉलीवुड के प्रस्ताव मिलने शुरू हो रहे हैं।

बेंगलुरु में छत्तीसगढ़ की आदिवासी बेटी ने हासिल किया प्रथम स्थान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आदिवासी युवा विनिमय कार्यक्रम में दुर्गम आदिवासी अंचल की बेटी कविता टेक आमने बेंगलुरु में आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया जबकि अन्य नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवक-युवतियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में विजय होकर प्रदेश का नाम रोशन किया।

13 वाँ आदिवासी युवा विनिमय कार्यक्रम के तहत आज जिला कांकेर छत्तीसगढ़ के अति दुर्गम एवम् पिछड़े नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से युवक एवम् युवतियों के तृतीय जत्था रेल्वे स्टेशन यशवंतपुर से रायपुर रेल्वे स्टेशन पहुंचा। जिसमें 24 लड़कियाँ एवं 21 लड़के सहित बीएसएफ के 03 महिला एवं 02 पुरुष सुरक्षा अधिकारी शामिल थे। जहाँ यह टीम बैंगलोर में विभिन्न जिलों के अन्य आदिवासी युवाओं से मिलकर प्रदेश की संस्कृति से रूबरू हुए।

इस कार्यक्रम के दौरान आदिवासी युवक एवं युवतियों को उनके उज्वल भविष्य तथा अधिकार के बारे में उचित व उपयुक्त जानकारी प्रदान किया गया, साथ ही साथ अन्य राज्यों से भाग लेने वाले युवक -युवतियों के बीच मेल-मिलाप बढ़ा, जिससे वे एक-दूसरे की खान-पान, रहन-सहन, सांस्कृतिक गतिविधियाँ एवं वेशभूषा से रूबरू हुए साथ ही बैंगलोर के प्रसिद्ध दर्शनीय एवं सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का भ्रमण कराया गया। इस कार्यक्रम में सभी राज्यों के स्थानीय लोक कार्यक्रम की प्रस्तुति एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

जिसमें छत्तीसगढ़ के कविता टेकाम ने वाद विवाद प्रतियोगिता में भाग लेकर प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए रूपये 5000/- की राशि प्राप्त किया एवं सांस्कृतिक प्रोग्राम में द्रौपादी उइके, कोमल मरकाम, अंजली विश्वकर्मा, कविता टेकाम, लिलेश्वरी उइके, रागनी नरेटी, रामेश्वरी टेकाम, कैलाश कुमार तोहलिया, सविता टेकाम, गुलशन कुमार, अनिल कुमार कुरेटी, शांति दुग्गा, नीरज नेताम, रिशिकेश नायक, चैनू राम नेताम, बुदरू उसेंडी और शिवराज हुर्रा सहित कुल 17 प्रतिभागियों ने भाग लेकर प्रथम स्थान प्राप्त कर रूपये 2000/- की राशि प्राप्त कर दूसरे राज्य में छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया।

नेहरू युवा केन्द्र संगठन नई दिल्ली (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार) एवं गृह मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान मे 13 वॉ आदिवासी युवा विनिमय कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस कार्यक्रम में कांकेर जिले में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के इलाके से इस वर्ष कुल 03 भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किये गए।

इस कार्यक्रम की तृतीय टीम को बैंगलोर से आने के बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) सीमांत मुख्यालय (स्पेशल ऑप्स) छत्तीसगढ़, रिसाली- भिलाई के आई.जी. एस के त्यागी एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डी.आई.जी. (इंटेलीजेंस) दिनेश मुर्मू ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी।

खास खबर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मनाया हिन्दू नव वर्ष

रायपुर। राष्ट्रीय सवयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने दिनांक 2 अप्रैल 2022 को भारतीय सनातन परंपरा अनुसार विक्रम संवत 2079 का पहला दिन वर्ष प्रतिपदा हिन्दू नव वर्ष उत्सव मनाया। संघ के वर्ष के 6 उत्सव में यह एक प्रमुख उत्सव है। इसी दिन संघ के संस्थापक एवं आद्य सरसंघचालक पूज्य डा. केशव बलिराम हेडगेवार जन्म जयंती भी है। इस दिन स्वयंसेवक वर्ष में एक बार डा. हेडगेवार को आद्य सरसंघचालक प्रणाम निवेदित करते हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रायगढ़ औधोगिक प्रशिक्षण संस्था के प्राचार्य के. एल. पटेल उपस्थित थे। साथ ही रायगढ़ ज़िले के संघचालक डा. प्रकाश मिश्रा एवं रायगढ़ नगर के संघचालक विनोद अग्रवाल भी उपस्थित थे। इस उत्सव में मुख्य वक्ता के रूप में रायगढ़ विभाग के विभाग प्रचारक डा. राजकुमार भरद्वाज का उद्बोधन प्राप्त हुआ जिन्होंने आधुनिक भारत में संघ की भूमिका, डा. हेडगेवार के द्वारा संघ की शुरुवात करने के कारण, उपदेश्य एवं विचार, संघ की परिभाषा, स्वयंसेवक बनने के गुण, मातृभूमि की सेवा का महत्व, सर्वसमावेशी भारतीय विचार, अमृत महोत्सव जैसे विभीन महत्वपूर्ण विषयों पर अपने प्रेरणा दायक विचार रखे एवं सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ऐसे उत्सवों से माध्यम से समाज में स्व के भाव देश के प्रति भक्ति भाव को जागृत करने का कार्य निरंतर करता रहता है।

मेडिकल कॉलेज व ईएसआईसी हॉस्पिटल में ओपीडी शुरू करन सांसद ने दिया जोर

कोरबा। लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने कोरबा प्रवास के दौरान कोरबा मेडिकल कॉलेज व ईएसआईसी अस्पताल प्रबंधन की बैठक लेकर वार्ता की , सांसद ज्योत्सना महंत ने मेडिकल कॉलेज में इसी सत्र से चिकित्सा शिक्षा प्रारंभ करने के संबंध में पूर्व में ली गई बैठक में दिए गए निर्देशों के प्रगति की जानकारी ली। साथ ही ईएसआईसी अस्पताल में ओपीडी प्रारंभ करने के संबंध में की जा रही तैयारियों के बारे में भी अधिकारियों से जानना चाहा। सांसद ने कहा है कि श्रमिक वर्ग के लोगों के लिए ईएसआईसी अस्पताल प्रारंभ किया गया है जो कोविड संक्रमण के दौरान कोविड केयर सेंटर अस्पताल के रूप में प्रारंभ किया गया लेकिन अब जबकि कोरोना का संक्रमण खत्म होने लगा है तब इस अस्पताल में श्रमिकों के लिए ओपीडी प्रारंभ करने की जरूरत है। इस दिशा में पिछले दिनों प्रवास के दौरान ईएसआईसी प्रबंधन की बैठक लेकर निर्देश दिए गए थे। इसी तरह मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा शिक्षा इसी सत्र से प्रारंभ करने की भी जरूरत उन्होंने बताई है।

अनुराग सिंह ठाकुर ने डोपिंग निरोधक परीक्षण को सशक्त करने के लिए नई दुर्लभ रासायनिक संदर्भ सामग्रियों को लॉन्च किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

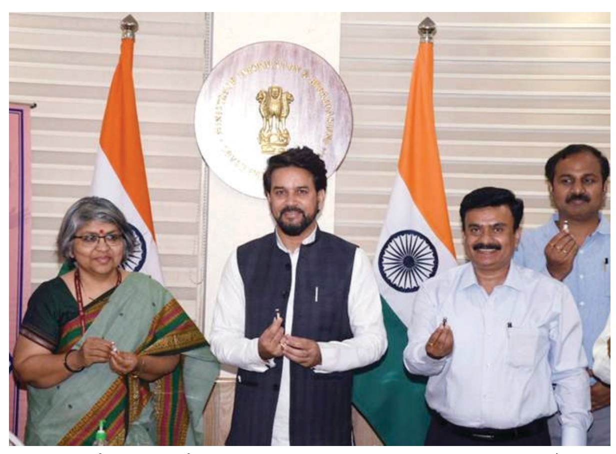

नई दिल्ली(पीआईबी)। एक सफल उपलब्धि में, राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) ने स्वदेशी रूप से छह नई और दुर्लभ संदर्भ सामग्रियां (आरएम) विकसित की हैं, जो दुनिया भर में सभी वर्ल्ड एंटी डोपिंग एसोसिएशन (वाडा) द्वारा मान्यताप्राप्त प्रयोगशालाओं में डोपिंग निरोधक विश्लेषण के लिए आवश्यक रसायन का सबसे शुद्ध रूप है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर)- गुवाहाटी और सीएसआईआर- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन (आईआईआईएम), जम्मू के सहयोग से एनडीटीएल द्वारा एक साल से भी कम समय में छह संदर्भ सामग्रियां विकसित की गई हैं।

केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा एनडीटीएल की 15वीं शासी निकाय बैठक के दौरान खेल सचिव श्रीमती सुजाता चतुर्वेदी और खेल मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में संदर्भ सामग्रियों को लॉन्च किया गया।

एनडीटीएल ने इन संदर्भ सामग्रियों के निर्माण के साथ-साथ दुनिया की उन कुछ प्रयोगशालाओं में से एक होने की पहचान प्राप्त की है जहां ऐसी संदर्भ सामग्रियां विकसित की गई हैं। उपलब्धि के बारे में ठाकुर ने कहा, मैं उन तीन संस्थानों के वैज्ञानिकों की सराहना करता हूं जिन्होंने इन संदर्भ सामग्री को बनाने के लिए अथक प्रयास किया है। ये संदर्भ सामग्री दुनिया भर में आसानी से उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन वाडा द्वारा मान्यता प्राप्त हर प्रयोगशाला द्वारा डोपिंग निरोधक विश्लेषण के लिए आवश्यक हैं। भारत स्वयं कनाडा और ऑस्ट्रेलिया से आरएम आयात करता रहा है, हालांकि, इस वैज्ञानिक विकास के साथ भारत ने वास्तव में आत्मनिर्भर भारत की ओर एक कदम बढ़ाया है, जो डोपिंग निरोधक विज्ञान के क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का दृष्टिकोण है। बहुत जल्द, हम इन आरएम को अन्य देशों में भी निर्यात करेंगे। ठाकुर ने कहा, इन दुर्लभ संदर्भ सामग्रियों की उपलब्धता से पूरे डोपिंग निरोधक समुदाय को अपनी परीक्षण क्षमताओं को सशक्त करने और दुनिया भर में खेल नीति में निष्पक्ष खेल को बढ़ावा देने के लिए देशों के बीच आपसी सहयोग के युग की शुरुआत करने में मदद मिलेगी। पिछले साल इन संदर्भ सामग्रियों के लिए अनुसंधान शुरू हुआ था जब एनडीटीएल ने 2-3 वर्ष की अवधि में चरणबद्ध तरीके से निषिद्ध पदार्थों की 20 ऐसी संदर्भ सामग्री को स्वदेशी रूप से संश्लेषित और विकसित करने के लिए दोनों राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगठनों के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। भारत सरकार के सक्रिय समर्थन और वित्त पोषण के बल पर एनडीटीएल और एनआईपीईआर-जी और सीएसआईआर-आईआईआईएम, जम्मू के बीच अनुसंधान एवं विकास संबंधी यह गतिविधियां शुरू की गई हैं।

लॉन्च की गई छह संदर्भ सामग्रियों में से तीन-तीन को एनआईपीईआर-गुवाहाटी और सीएसआईआर-आईआईआईएम, जम्मू के सहयोग से संश्लेषित किया गया था। पिछले साल भी, एनडीटीएल और एनआईपीईआर-गुवाहाटी के वैज्ञानिकों ने 2021 में दो स्वदेशी रूप से विकसित दुर्लभ संदर्भ सामग्री को संश्लेषित करने में सफलता प्राप्त की, जिन्हें वाडा द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं के साथ लॉन्च करके साझा किया गया था। इन संदर्भ सामग्रियों के लॉन्च से बेहतर डोपिंग निरोधक परीक्षण सुनिश्चित होगा जो खेल मंत्रालय की प्रतिबद्धता के अनुरूप है और देश में डोपिंग निरोधक कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के साथ खेल के क्षेत्र में निष्पक्षता कायम करना एकमात्र उद्देश्य है।

सेंट थॉमस महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने शिवनाथ नदी तट पर की साफ -सफाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । सेंट थॉमस महाविद्यालय भिलाई के कैडेटों द्वारा पुनीत सागर सोशल सर्विस कैंपेन के अंतर्गत स्वच्छता अभियान मे शिवनाथ नदी तट के आसपास की सफ ाई की गई7 37 सीजी बटालियन एनसीसी दुर्ग के कर्नल हेमंत दुबे एवं एडम ऑफि सर लेफ्टिनेंट कर्नल आर सेतु माधवन के मार्गदर्शन में यह स्वच्छता अभियान संपन्न हुआ। इस दौरान कैडेटों द्वारा शिवनाथ नदी तट के आसपास के क्षेत्रों मे साफ सफ़ाई की गई एवं आसपास के क्षेत्रों को साफ रखने हेतु लोगों को जागरूक किया गया 7 इस अभियान में एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ लक्ष्मण प्रसाद 12 कैडेटों के साथ उपस्थित थे ।

नवदृष्टि फाउंडेशन के प्रयास से मनीष राठी का नेत्रदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर के प्रतिष्ठित युवा व्यवसाई राठी इंटरप्राइजेस के संचालक मनीष राठी(48 वर्ष) की आकस्मिक मृत्यु ने आज पुरे शहर को झकझोर दिया, ऐसी कठिन परिस्थिति में भी परिवार की सहमति से नवदृष्टि फाउंडेशन के प्रयास से मनीष राठी का नेत्रदान सम्पन्न हुआ। मनीष राठी के निधन का समाचार मिलते ही राठी परिवार के करीबी व नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य मुकेश राठी और प्रवीण तिवारी ने मनीष राठी की माता श्रीमती प्रेमलता राठी व पत्नी बरखा राठी से नेत्रदान की सहमति ली। जिला चिकित्सालय के नेत्रदान अधिकारी अजय नायक, अरुण सिंह व सहयोगी अनिल सोनी ने दुर्ग मर्चुरी पहुँच कॉर्निया कलेक्ट किये व उन्हें सुरक्षित रायपुर मेडिकल कॉलेज पहुँचाया , नवदृष्टि फाउंडेशन के कुलवंत भाटिया, राज आढ़तिया,मुकेश राठी,रितेश जैन,धर्मेंद्र शाह पुरे समय राठी निवास व दुर्ग मर्चुरी में मौजूद रहे व नेत्रदान की प्रक्रिया सम्पन्न करने में सहयोग किया , मनीष राठी की पुत्री महक राठी व छोटा भाई -अमित राठी के कल दुर्ग पहुँचने के बाद उनका अंतिम संस्कार किया जायेगा। कुलवंत भाटिया ने कहा परिवार के मुखिया के नेत्रदान का निर्णय ले मनीष राठी की माता श्रीमती प्रेमलता राठी व पत्नी बरखा राठी ने समाज को एक मिसाल दी है इस से समाज को प्रेरणा लेनी होगी।

वह दिन बहुत करीब... जब कश्मीरी पंडित अपने घरों में वापस लौटेंगे : मोहन भागवत

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कश्मीरी पंडितों के जल्द घाटी में लौटने की बात कही है। भागवत ने उम्मीद जताई कि आतंकवाद की शुरुआत के बाद 1990 के दशक में अपने घरों से विस्थापित हुए कश्मीरी पंडित जल्द ही घाटी में वापस लौट आएंगे। भागवत ने जम्मू में नवरेह समारोह के आखिरी दिन वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कश्मीरी हिंदू समुदाय को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह दिन बहुत करीब है जब कश्मीरी पंडित अपने घरों में वापस आएंगे और मैं चाहता हूं कि वह दिन जल्द आए।

भागवत ने कहा कि विवेक अग्निहोत्री निर्देशित द कश्मीर फाइल्स ने कश्मीरी पंडितों की सच्ची तस्वीर और 1990 के दशक में कश्मीर घाटी से उनके पलायन का खुलासा किया है। विवेक अग्निहोत्री निर्देशित द कश्मीर फाइल्स 11 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, इसमें अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, दर्शन कुमार और अन्य एक्टर्स शामिल हैं। फिल्म ने देश में पॉलिटिकल स्पेक्ट्रम का तेजी से ध्रुवीकरण किया है। आरएसएस प्रमुख ने कहा, आज हर भारतीय कश्मीरी पंडितों के पलायन की सच्चाई के बारे में जानता है। यही वह समय है जब कश्मीरी पंडितों को अपने घरों में इस तरह वापस जाना है कि वे भविष्य में फिर कभी नहीं उखड़ें। उन्होंने यह भी कहा कि कश्मीरी पंडितों को अपने वतन लौटने का संकल्प लेना चाहिए, ताकि जल्द ही हालात बदल सकें।

भागवत ने कहा, कुछ इस फिल्म के समर्थन में हैं, कुछ इसे आधा सच कह रहे हैं... लेकिन इस देश के आम लोगों की राय है कि कड़वी सच्चाई को दुनिया के सामने पेश करके फिल्म ने लोगों को झकझोर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि कोई भी कश्मीरी पंडितों को जाने के लिए मजबूर नहीं कर सकता है। अगर कोई ऐसा करने की कोशिश करता है, तो उसे नतीजे भुगतने होंगे।

भूपेश है तो भरोसा है से गूंजा टाउन हाल

समृद्ध, सुसंस्कारी और शक्तिशाली छत्तीसगढ़ बनाने के कर्तव्य को करें पूरा-मुख्यमंत्री

पुरानी पेंशन योजना बहाल करने पर शिक्षकों ने किया मुख्यमंत्री का अभिनंदन

लड्डुओं से तोला, गज माला से किया स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला मुख्यालय के टाउन हॉल में आयोजित पुरानी पेंशन आभार समारोह में शिक्षकों ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग को पूरा करने पर मुख्यमंत्री का जोर शोर से अभिनंदन किया। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ बस्तर संभाग के पदाधिकारियों ने शिक्षकों के साथ राज्य के समस्त शासकीय कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना की सौगात देने पर मुख्यमंत्री को लड्डुओं से तोलकर और गज माला से स्वागत कर आभार प्रकट करते हुए कहा कि पेंशन योजना की बहाली से समस्त कर्मचारियों को बुढ़ापे का सहारा मिला है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में राज्य के समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि पुरानी पेंशन योजना आप सभी का अधिकार है, जिसे आपको वापस प्रदान करने पर संतोष मिला है। इससे निश्चित ही सभी कर्मचारियों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। शिक्षकों द्वारा लगाए जा रहे नारे अब काहे का टेंशन, मिल गया है टेंशनष् नारा मात्र नहीं अपितु यथार्थ है। पुरानी पेंशन लागू होने से समस्त कर्मचारी निश्चिंत होकर अपना शत प्रतिशत देंगे। कोविड काल के दौरान विषम परिस्थितियों में भी शिक्षकों ने प्रदेश भर में शिक्षा की अलख को जगाए रखा, बच्चे पढ़ाई से वंचित ना रहे इसलिए बुल्टू के बोल, पढ़ाई तुंहर अंगना जैसे नवाचार किए, यह शिक्षकों के समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने समृद्ध, सुसंस्कारी और शक्तिशाली राज्य बनाना शिक्षकों का कर्तव्य है जिसे वे पूर्ण कर रहे है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में शासकीय विद्यालयों के तरफ छात्रों का रुझान बढ़ा है।

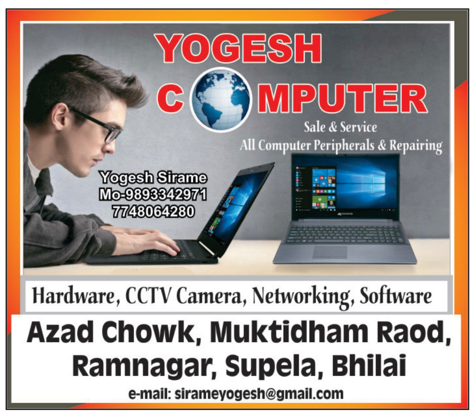

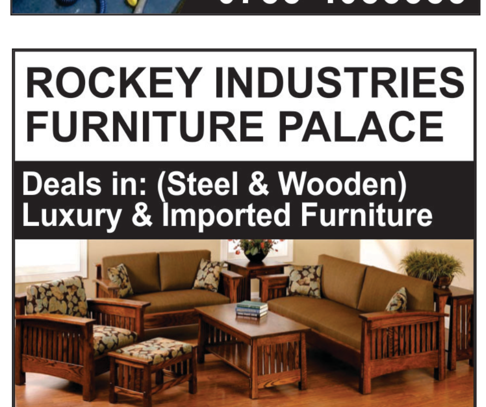

खास-खबर

साईनाथ कालोनी से लापता मासूम का शव बरामद, पुलिस के गोताखोरों को जलकुम्भी में फंसा मिला

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर के सरस्वती नगर थानांतर्गत साईनाथ कॉलोनी निवासी अशोक नायक के पुत्र वंश नायक(03) के संदिग्ध परिस्थियों में गायब होने का मामला सामने आया था। जिसका शव पुलिस ने बरामद कर ली है। तालाब के दूसरे छोर में जलकुंभी में फंसा मिला वंश का शव। मौके पर पुलिस के आलाधिकारी मौजुद। जानकारी के मुताबिक, अशोक का बेटा वंश शनिवार की सुबह घर के बाहर तालाब के किनारे खेल रहा था। उसकी मां घर में काम कर रही थी। काम समाप्त करने के बाद मां बाहर निकली तो वंश गायब था। मां ने आसपास काफी खोजबीन की लेकिन वंश नहीं मिला तो सरस्वती नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस वंश के घर पहुंचकर आसपास के सीसीटीवी फुटेज को देखा। फुटेज में किसी भी बच्चे को मोहल्ले से बाहर जाते कैद नही हुआ है। पुलिस को दोपहर में तालाब के किनारे से वंश के कपड़े मिले थे। तालाब में वंश के डूबने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने गोताखोर बुलाए, जो देर शाम तक तलाश में जुटे रहे। अंधेरा होने पर गोताखोर लौट गए लेकिन बच्चे का पता नहीं चल पाया था जिसका शव तालाब से ही बरामद कर लिया गया है।

गांजा तस्करी करते दो तस्कर गिरफ्तार

रायपुर (ए)। ओडिशा से गांजा लाकर रायपुर में खपाने की फिराक में जुटे दो तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (एसीसीयू) की टीम को सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति चारपहिया वाहन से गांजा लेकर महासमुंद के रास्ते रायपुर की तरफ आ रहे हैं। सूचना पर मंदिर हसौद थाने की पुलिस और एसीसीयू की टीम ने एनएच-53 रोड़ स्थित टोल नाका के पास तस्करों को पकड़ने के लिए ट्रैप पार्टी को लगा दिया। टोल नाका के पास चारपहिया वाहन से तस्करों के पहुंचते ही टीम ने पकड़कर पूछताछ शुरू कर दी। आरोपितों ने अपना नाम मयंक राज मिश्रा एवं देवेश सिन्हा निवासी खमतराई बताया। वाहन की जांच करने पर तीन किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने तीन किलो गांजा, दो मोबाइल और वाहन को जब्त कर आरोपितों पर नारकोटिक्स एक्ट के तहत अपराध कायम किया है।

कार में जिंदा जला महिला डॉक्टर का परिवार

पति और दो बच्चों के साथ ड्यूटी ज्वाइन करने जशपुर जा रही थीं डॉक्टर

जशपुर (ए)। जशपुर में रविवार दोपहर एक महिला डॉक्टर अपने परिवार सहित बड़े हादसे का शिकार हो गई। पिकअप से टक्कर के बाद उनकी कार में आग लग गई और सभी लोग उसकी चपेट में आकर जिंदा जल गए। सभी कार सवारों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि महिला डॉक्टर अपने पति व बच्चों के साथ जांजगीर से जशपुर ड्यूटी ज्वाइन करने के लिए जा रही थीं।

जानकारी के मुताबिक, डॉक्टर विजय लक्ष्मी चंद्रा अपने पति सरोज चंद्रा और दो बच्चों के साथ जांजगीर से जशपुर के लोखंडी ड्यूटी ज्वाइन करने के लिए कार से जा रही थीं। कार उनके पति सरोज चंद्रा चला रहे थे। सरोज जिंदल में प्रोफेसर हैं। अभी वे तुमला क्षेत्र के चट्टीडाड के सिलपहरी घाट के पास स्टेट हाईवे पर पहुंचे थे कि सामने से आ रही पिकअप से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कार पलट गई और उसमें आग लग गई।

हादसा होते देख आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कार सवारों को बड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। इस बीच सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंच गई और 108 की सहायता से सबको स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि डॉक्टर का परिवार बुरी तरह से झुलस गया है और सबकी हालत नाजुक है। वहीं पिकअप चालक का भी पैर टूट गया है। हादसे के बाद कार जलकर खाक हो गई।

बताया जा रहा है कि स्टेट हाईवे पर कोतबा-लावाकेरा सड़क मार्ग का निर्माण कार्य चल रहा है। यहां PWD ठेकेदार के माध्यम से काम करा रही है। आरोप है कि सड़क बनाने में कई खामियों के चलते बार-बार हादसे हो रहे हैं। सड़क के एक साइड में गिट्?टी का ढेर रख दिया गया है। ऐसे में दोनों ओर से गाड़ियां आती हैं तो चालक साइड नहीं दे पाते हैं। हमेशा धूल का गुबार छाया रहता है। यहां तक कि सड़क निर्माण कार्य को लेकर कोई सूचना बोर्ड भी नहीं लगाया गया है।

छात्रा की याचिका पर रविवार को खुला कोर्ट

मेडिकल कॉलेज में प्रवेश नहीं मिलने पर दाखिल की थी याचिका

बिलासपुर (ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में रविवार को सुनवाई हुई है। ये सुनवाई एक छात्रा की याचिका के चलते की गई है। छात्रा ने मेडिकल कॉलेज में प्रवेश नहीं मिलने के चलते कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें कहा गया था कि उससे ज्यादा रैंक के छात्रों को मेडिकल कॉलेज में प्रवेश दे दिया गया। मगर उसे प्रवेश नहीं दिया गया। इसके बाद पूरे मामले में कोर्ट ने सुनवाई करते हुए मॉपअप राउंड पर ही रोक लगा दिया है।

दरअसल, बिलासपुर की राधिका मंगतानी नीट 2021 की परीक्षा में शामिल हुईं थी। जिसमें उन्हें 915वीं रैंक मिली है। इसके बाद वह काउंसलिंग की पहली राउंड में शामिल हुईं। मगर उन्हें दाखिला नहीं मिला। जिसके बाद दूसरा राउंड हुआ। लेकिन इस राउंड में राधिका किसी कारण से शामिल नहीं हो पाईं थी। फिर दाखिले के लिए तीसरा और मॉपअप राउंड शनिवार और रविवार को होना था। इसमें शनिवार को जब छात्रा शामिल होने गईं। तब वहां भी उसे शामिल नहीं होने दिया गया।

इसी के चलते राधिका ने शनिवार को ही अपने वकील हर्षमंदर रस्तोगी के माध्यम से कोर्ट में याचिका दाखिल की। याचिका में बताया गया कि अनारक्षित वर्ग में उसे 915वीं रैंक मिली थी। इसके बावजूद तीसरे राउंड में उसे दाखिला नहीं दिया गया। बल्कि उन लोगों को दाखिला दे दिया गया। जो उस वर्ग में छात्रा से भी ज्यादा रैंक लेकर आए थे। कुल मिलाकर ऐसे 9 छात्रों को दाखिला दिया गया है। इस पर छात्रा के वकील ने इस मामले में तुरंत सुनवाई की मांग की थी। जिसके कारण कोर्ट ने रविवार को सुनवाई की है।

सोमवार को होनी है सुनवाई

इस केस में गोतम भादुड़ी और गौतम चौरड़िया की डबल बैंच ने सुनवाई करते हुए अनारक्षित वर्ग के तीसरी और मॉपअप राउंड में अंतिम सुनवाई तक रोक दिया। इस केस में अंतिम सुनवाई अब सोमवार को होगी।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवकों को चपेट में लिया, 3 दोस्तों की मौत

रायगढ़ (ए)। रायगढ़ में रविवार दोपहर सड़क हादसे में तीन दोस्तों की मौत हो गई। तीनों युवक एक ही बाइक पर घर जा रहे थे। इस दौरान ट्रक ने उन्हें सामने से टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। वहीं तीनों युवकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। मामला बरमकेला थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, दोपहर करीब 12 बजे बरमकेला थाना प्रभारी एलपी पटेल को सूचना मिली कि सारंगढ़-बरमकेला मार्ग पर कोनी मोड़ के पास जंगल में एक ट्रक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी है। हादसे में तीनों युवक बुरी तरह से घायल हो गए हैं। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची तो एक्सीटेंड करने वाला ट्रक वहीं खड़ा था। हालांकि चालक भाग निकला था। पुलिस ने तीनों युवकों को सीएचसी बरमकेला पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मृतकों की पहचान सारंगढ़ के माल्दा निवासी नीलांबर बरिहा (26) पुत्र बोधीराम बरिहा, दीनबंधु बरिहा (30) पुत्र डोकरा बरिहा और सराईपाली निवासी चंद्रसेन चौहान (35) पुत्र स्वर्गीय श्याम चौहान के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि तीनों युवक बरमकेला से अपने घर माल्दा जा रहे थे।

गूगल-पे कस्टमर केयर का झांसा देकर 48 हजार ठगे

पेंड्रा (ए)। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में ऑनलाइन फ्रॉड करने वाले शातिर ठग को पुलिस ने झारखंड से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर गूगल-पे कस्टमर केयर का झांसा दे एक युवक के खाते से 48 हजार रुपए से ज्यादा निकाल लिए थे। आरोपी का दूसरा साथी अभी फरार है। दोनों आरोपियों ने अपनी ठगी का जाल दिल्ली से तेलंगाना तक फैला रखा था। मामला गौरला थाना क्षेत्र का था।

जानकारी के मुताबिक, गौरेला निवासी रूपेश कुमार गुप्ता किसी के खाते में गूगल-पे के माध्यम से रुपए ट्रांसफर कर रहे थे, लेकिन ट्रांजेक्शन में कुछ गड़बड़ हो गई। इस पर उन्होंने गूगल पर सर्च कर गूगल-पे कस्टमर केयर का नंबर निकाला। इस पर उन्होंने कॉल किया तो फोन रिसीव करने वाले ने निर्देशों को पालन करने के लिए कहा। थोड़ी ही देर में रूपेश के खाते से 48600 रुपए निकल गए। इसके बाद फोन भी कट गया।

इस संबंध में रूपेश ने जून 2020 में एफआईआर दर्ज करवाई थी। पुलिस ने जांच शुरू की तो आरोपी की लोकेशन झारखंड के देवघर जिले के ग्राम तुलसी तांड़ में मिली। इस पर पुलिस टीम ने वहां छापा मारा और आरोपी मुजाहिद अंसारी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से पुलिस ने मोबाइल और फर्जी पते पर लिया गया सिम कार्ड बरामद किया है। पूछताछ में आरोपी ने एक अन्य साथी कादिर अंसारी के साथ मिलकर वारदात करना स्वीकार किया है।

आरपीएफ ने रेलवे टिकट दलालों के खिलाफ चलाया धरपकड़ अभियान, 1459 दलाल हत्थे चढ़े

रायपुर (ए)। देश में लंबी दूरी की ट्रेन सेवाओं की बहाली और त्योहारों और गर्मी की भीड़ की संभावना के चलते मार्च 2022 के महीने में आरक्षित ट्रेन सिटों की मांग में तेज वृद्धि की उम्मीद थी। इस मामले को ध्यान में रखते हुए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने टिकट दलालों के खिलाफ मार्च महीने में अभियान चलाकर 1459 दलालों को पकड़कर उनके कब्जे से 65 लाख का टिकट बरामद कर उसे रद कराया।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के अधिकारियों ने बताया कि टिकट दलालों के खिलाफदेश व्यापी चलाए गए अभियान में रायपुर और बिलासपुर मंडल में जांच-पड़ताल की गई।मार्च 2022 के महीने में पूरे देश में दलालों की गतिविधियों के खिलाफ देशव्यापी अभियान में आरपीएफ की क्षेत्रीय इकाइयों ने क्षेत्र, डिजिटल और साइबर दुनिया से जानकारी इकट्ठा की।

फिर सूचनाओं का मिलान, सत्यापन और विश्लेषण किया और एक मार्च 2022 से पूरे देश में टिकट दलालों के खिलाफ अभियान शुरू किया। आरपीएफ के यह अभियान बेहद सफल रहा। इसके परिणामस्वरूप 1459 टिकट दलालों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 341 अधिकृत आईआरसीटीसी एजेंट थे, लेकिन वे रेलवे टिकटों की दलाली में भी संलिप्त होकर रेलवे के राजस्व को नुकसान पहुंचा रहे थे।

अधिकृत एजेंट कर रहे थे टिकट की दलाली

जांच में पता चला कि रेलवे के अधिकृत एजेंट टिकट की दलाली के खेल में शामिल थे।इसके बाद इन आइआरसीटीसी एजेंटों को ब्लैक लिस्ट करने के साथ ही 366 आइआरसीटीसी एजेंटों की आइडी और 6751 व्यक्तिगत आइडी को ब्लाक करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। मार्च महीने में टिकट दलालों की गिरफ्तारी पिछले महीने यानी फरवरी 2022 के आंकड़े से करीब 3.64 गुना है।

यात्रियों को उपलब्ध कराई टिकटें

इन टिकट दलालों ने अवैध रूप से 65 लाख रुपये से अधिक मूल्य की टिकटे खरीद रखी थी। सभी टिकटो को बरामद कर रद कराया गया।यहीं नहीं ये सीटें सही मायने में हकदार रेलवे यात्रियों को उपलब्ध कराई गई। आपरेशन उपलब्ध के तहत महीने भर का देशव्यापी अभियान ने दलालों की गतिविधियों पर काफी हद तक अंकुश लगाने और आम आदमी को रेलवे टिकट उपलब्ध कराने में समर्थ बनाया है।

प्रतिबंधित प्लास्टिक पर निगम अमले ने लगाया छह हजार का अर्थदंड

कोरबा (ए)। नगर निगम के अमले ने प्रतिबंधित प्लास्टिक के विक्रय व उपयोग पर कार्रवाई जारी रखते हुए विभिन्ना दुकानों से जब्त किया। इसके साथ ही 6000 रुपये का अर्थदंड लगा संबंधितों को हिदायत दी कि प्रतिबंधित प्लास्टिक से बने कैरीबैग, डिस्पोजल व अन्य सामग्री का उपयोग न करें। निर्धारित मानक के अनुरूप न होने वाली प्लास्टिक सामग्री से निर्मित कैरीबैग, डिस्पोजल सहित अन्य प्लास्टिक वस्तुओं के निर्माण, उपयोग, भंडार पर शासन द्वारा प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद शहर में व्यवसायी इसकी बिक्री व उपयोग कर रहे हैं। आयुक्त प्रभाकर पांडेय ने प्रतिबंधित प्लास्टिक के विक्रय उपयोग पर कार्रवाई करने अधिकारियों से कहा है।

लग्जरी गाड़ियों से पहुंचे थे जुआ खेलने

दुर्ग में 13 जुआरी गिरफ्तार, महंगी कारें बाइक, मोबाइल और 76500 रुपए जब्त

दुर्ग (ए)। दुर्ग जिले में पुलिस की लाख कोशिश के बाद भी जुआ सट्टा का अवैध कारोबार बंद नही हो रहा है। नंदनी पुलिस ने एक बाड़ी के पीछे 13 लोगों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इन जुआरियों के पास से महंगी कार, बाइक व मोबाइल सहित 76500 रुपए जब्त किया गया है।

पुलिस ने बताया कि रविवार को सूचना मिली थी कि ग्राम-अहिवारा रायपुर रोड में घर के पीछे बाड़ी में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। वहां दुर्ग, भिलाई व आसपास के लोग महंगी गाड़ियों से पहुंचे थे। पुलिस ने उस जगह पर घेराबंदी करके जुआरियों को ताश पत्ती पर दांव लगाते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस रवि साव, विश्वजीत साहू, शिवशंकर सिंह, गणेश प्रसाद, टिकेश यादव, आशीष कुमार, कमल देवांगन, अख्तर अली सभी निवासी सुपेला और अशोक साहू, संदीप शर्मा, प्रदीप, दुखु राम, नितेश निवासी अहिवारा थाना नंदिनी नगर को जुआ खेलते पकड़ा है।

पुलिस ने 13 जुआरियों के पास से एक कार, 2 मोटर साइकिल, एक स्कूटी और 12 नग मोबाइल फोन सहित 76 हजार 500 रुपए व ताशपत्ती जब्त किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 13 जुआ एक्ट तहत मामला दर्ज किया है।

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875
99938-08453
75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी बियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मिस एंड मिसेस
लेडिस वेयर
• गाऊन
• ब्रा. पेन्टी
• नाईटी
• ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

जीव दया ग्रुप ने ज़रूरतमंदों को बाँटे कपड़े व समान

दुर्ग। जीव दया ग्रुप के नए सदस्यों द्वारा एक नयी शुरुआत जिसमें जीव दया गर्ल्स ग्रुप की सदस्य पायल पारख ने बताया जो कपड़े हमारे अनुपयोगी है और अधिक है ऐसे कपड़े श्री वर्धमान स्थानक भवन में एकत्र करके सभी कपड़ों को व्यवस्थित करके ज़रूरमँदो तक पहुँचाया गया अर्चना बोहरा ने बताया यह आयोजन छातागढ में श्री कृष्ण गौ शाला में किया गया था जीव दया ग्रुप गौ सेवा के उद्देश्य के बाद अब निर्धन व बेसहारा लोगों को साड़ी, पैंट शर्ट और बच्चों के कपड़ों का वितरण शीघ्र शुरू किया है। टीम के सदस्य ऐसे लोगों तक कपड़े पहुंचाने का काम कर रहे। जिनके घर पर कपड़े रखे हैं और उनका उपयोग नहीं किया जा रहा है तो ऐसे पहनने लायक कपड़े जीव दया ग्रुप को दें ताकि जरूरतमंद लोगों को दिया जा सके।भीषण गर्मी को देखते हुए जीव दया ग्रुप जल्द ही चलित प्याऊ घर का शुभारंभ किया जाएगा जिसकी तैयारी ज़ोर शोर से चल रही है और साथ ही पशुओं के लिए कोटना और पंछियों केलिए सकोरा बाटने का कार्य कर रही है जिसे भी ज़रूरत हो ग्रुप के सदस्यों से सम्पर्क कर सकते है।अमित बाफ़ना, शैलेश बुरड, आशीष बोहरा, राहुल कोचर, मतिश चोपड़ा,महेश पारखपूनम बुरड, पायल पारख, अर्चना बोहरा मौजूद रहे।

जब तक आम जनता को राहत नहीं मिलती चलता रहेगा अभियानः वोरा

दुर्ग। कांग्रेस का महंगाई मुक्त भारत अभियान अब छत्तीसगढ़ में जोर पकड़ने लगा है। राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी के आह्वान पर शुरू किए गए इस चरणबद्ध आंदोलन के पहले चरण में भी वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा के नेतृत्व में दुर्ग शहरी क्षेत्र के सभी ब्लाकों में जोरदार प्रदर्शन किया गया था। विधायक वोरा स्वयं अपने निवास में मोटर सायकिल एवं सिलिंडर को माला पहना कर कार्यकर्ताओं समेत सायकल से ही अलग अलग स्थानों पर ब्लॉक अध्यक्षों द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन के कार्यक्रम में शामिल होने निकल पड़े और कार्यकर्ताओं में केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जोश भरा था।

खैरागढ़ उपचुनाव में भिलाई के भाजपा पार्षदों ने बहाया पसीना, वनांचल में जाकर लोगों से मांगा समर्थन

भाजपा के पक्ष में लोगों का माहौल, बड़ी लीड से जीतेंगे कोमल जंघेल- दया सिंह

- खैरागढ़ विधानसभा के छुईखदान इलाके के गांवों में दया सिंह व भाजपा पार्षदों को मिला है प्रभार
- छुईखदान में नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक और खैरागढ़ में संगठन महामंत्री पवन साय से मुलाकात करने के बाद निकले प्रचार में

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खैरागढ़ उपचुनाव में भिलाई के भाजपा पार्षदों को भी जिम्मेदारी मिली है। संगठन से टास्क मिलते ही भाजपा के पार्षद ग्राउंड में उतर गए हैं। रविवार से भाजपा पार्षदों ने डेरा डाल दिया है। कल छुईखदान इलाके के भावे, भोथली और छिंदारी, देवरचा समेत अन्य इलाकों में प्रचार भी शुरू कर दिया है। भाजपा पार्षद दया सिंह को छुईखदान इलाके के गांवों में शक्ति केंद्र प्रभारी बनाया गया है। दया सिंह के साथ-साथ श्यामसुंदर राव, वीणा चंद्राकर, भोजराज सिन्हा, महेश वर्मा, लक्ष्मी साहू, विनोद चेलक, चंदेश्वरी बांधे समेत अन्य पार्षदों ने भाजपा प्रत्याशी कोमल जंघेल के लिए प्रचार किया। लोगों से भाजपा के समर्थन में वोट मांगा।

भाजपा पार्षद दया सिंह ने कहा कि लोगों में भाजपा के पक्ष में गजब का माहौल है। इस बार भाजपा प्रत्याशी कोमल जंघेल चुनाव जीतेंगे। पार्टी का हरेक कार्यकर्ता ग्राउंड में उतरकर पसीना बहा रहे हैं। लोगों का कांग्रेस से मोहभंग हो चुका है। अब लोग बदलाव चाहते हैं। भाजपा प्रत्याशी कोमल जंघेल को बड़ी लीड मिलने वाली है। वे विधानसभा पहुंचकर क्षेत्र की जनता के सरोकारों का ख्याल रखकर विकास कराएंगे।

पार्षदों ने भरी दोपहर में बहाया पसीना

भिलाई के भाजपा पार्षदों ने छुईखदान में सबसे पहले नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक से मुलाकात की। उनसे आशीर्वाद के साथ-साथ मार्गदर्शन मांगा। नेता प्रतिपक्ष ने सभी को ग्रामीण इलाकों में काम करने कहा। सभी भाजपाई पार्षदों दया सिंह, महेश वर्मा, भोजराज सिन्हा, वीणा चंद्राकर, लक्ष्मी साहू, पी. श्यामसुंदर राव, धर्मेंद्र दिवाकर, ईश्वरी नेताम, गिरीजा बंछोर, सरिता बघेल, चंदेश्वरी बांधे, विनोद चेलक, भोला साहू समेत अन्य मौजूद रहें। भाजयुमो के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रशम दत्ता और विनय सेन भी खैरागढ़ विधानसभा में काम कर रहे हैं। भाजपा को जीत दिलाने के लिए बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के प्रशांत, विवेक कौशल, आनंद सिंह, राकेश प्रसाद, पवन मिश्रा समेत अन्य युवा भी पहुंच चुके हैं।

झिल्ली, पन्नी विक्रय करने वालो के खिलाफ हुई कार्यवाही

घूम-घूमकर डेढ दर्जन दुकानदारों से प्रतिबंधित सामान जप्त कर जुर्माना लिया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग आयुक्त हरेश मंडावी के निर्देश पर बाजार अधिकारी थान सिंह यादव, सहायक प्रभारी ईश्वर वर्मा, भुवान दास साहू, शशिकांत यादव के अलावा टीम ने गौरव पथ के आस पास फ्ल बेचने वाले विनोद,बल्लू, बरसु,आयुष मालापुरे, महिला समृद्धि सब्जी बाजार से हिरौदी बाई,गणेश सिन्हा,हितेश गीता सिन्हा,बायपास रोड, महाराजा चौक से संजय चौहान,जय माँ बम्लेश्वरी,अमिताभ बंजारे सब्जी एवं फ्ल दुकान, पोटिया चौक से बाके लाल गन्ना रस दुकान, पुलगाँव चौक शिवनाथ बंजारे,जागेश्वर द्विवेदी, कुलदीप बंजारे के अलावा राजेन्द्र द्वारा प्रतिबंधित झिल्ली पन्नी सामान रखने वाले करीब डेढ़ दर्जन लोगों के खिलाफ प्रतिबंधित सामान की जब्ती कर जुर्माना लिया गया। लगातार प्रतिबंधित झिल्ली,पन्नी बचने वालो पर अधिकारी व कर्मचारी द्वारा नजर रखी हुई है शहर के विभिन्न क्षेत्रो में घूम घूमकर निरीक्षण कर रहे हैं। कार्यवाही के मौके पर जुर्माना लेकर उन्हें कड़ी चेतवानी दी गई।निगम आयुक्त हरेश मंडावी ने कहा है कि झिल्ली, पन्नी डिस्पोजल आदि पर शासन द्वारा प्रतिबंध लगाया गया है। ये सामग्री निगम क्षेत्र के किसी भी दुकान में विक्रय के लिए न रखी जाए, न ही इनकी बिक्री की जाए। ऐसा करने पर सामग्री जब्त करने के साथ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। कार्रवाई के दौरान दुकान में प्रतिबंधित झिल्ली, पन्नी पाए जाने पर पांच सौ से लेकर 2 हज़ार रुपए तक जुर्माना वसूल किया जाएगा।

भक्त माता कर्मा श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण है-अरुण वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र में भक्त माता कर्मा जयंती पर उरला वार्ड 57 - 58 में आयोजित जिला स्तरीय कर्मा जयंती कार्यक्रम में अध्यक्ष छग राज्य वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन एवं शहर विधायक अरुण वोरा व महापौर धीरज बाकलीवाल शामिल हुए।

इस अवसर पर विधायक अरुण वोरा ने कहा कि भक्त माता कर्मा श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण है। उन्होंने कहा कि साहू समाज की भांति दूसरे समाज भी एकता के एकसूत्र में बंधे। किसी भी समाज को मजबूती प्रदान करती है एकता। साहू समाज अपने समाज की संस्कृति, रीति-रिवाजों को बखूबी संजोकर रख रहे है, जो कि प्रशंसा योग्य है।

महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि साहू समाज के लोग आज अन्य क्षेत्रों में भी अपनी योग्यता सिद्ध कर जिले एवं राज्य का नाम रौशन कर रहे है। इस अवसर एमआईसी सदस्य मनदीप सिंह भाटिया, सुश्री जमुना साहू,पार्षद बिजेंद्र भारद्वाज,कुमारी साहू,दुष्यन्त देवांगन,ओम प्रकाश जोशी के अलावा साहू समाज के पदाधिकारीगण मौजूद थे। कार्यक्रम के आरंभ में साहू समाज के पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ से किया।

सेवा की मिशाल है सिख समाज-एकांश बंछोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मिनी भारत के रूप से जाने वाला इस्पात नगरी भिलाई अपने जन कल्याण व सेवा कार्यों के लिए वर्षों से जाना जाता है। इसी कड़ी में सेक्टर-2 भिलाई में सिख समाज द्वारा संत करतार सिंह जी द्वारा स्थापित प्याऊ घर एक अभूतपूर्व मिसाल है। जो कि विगत 1958 से निरन्तर सेवारत है।

कोरोना महामारी की वजह से पिछले 2 वर्षों से प्याऊ घर का सेवा कार्य बंद था। रविवार से इस पुनीत सेवा कार्य को दोबारा शुरू किया गया।

यह सेवा कार्य बुजुर्गों, नवयुवको, महिलाओं व बच्चों की भागीदारी से संभव हो रहा है। यह पिछले 64 वर्षों से निरन्तर प्याऊ की सेवा चल रही है। जो कि समस्त प्रदेश में मिसाल है। इस प्याऊ की विशेषता यह है कि यहाँ रखे लगभग 150 घड़े हैं। जिसमें पानी को शीतल कर पिलाया एवं सेवा की जाती है।

आज फ्रि सेवा की शुरूआत के इस अवसर पर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव और महापौर नीरज पाल के निर्देश पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि प्रतिनिधि, पीडब्ल्यूडी प्रभारी नगर निगम भिलाई एवं सेक्टर-5 के पार्षद एकांश बछोर उपस्थित रहे। एकांश बंछोर ने कहा कि सिख समाज सेवा की मिशाल है। जो वर्षों से जनता की सेवा कर रहे हैं।

गर्मी के इस सीजन में लोगों को शीतल जल पिलाकर सब की प्यास बूझा रहे हैं और पुण्य का काम कर रहे हैं। मैं ऐसे जनहितैशी सेवादारों को प्रणाम करता हूं। इस अवसर पर एन एस यू आई दुर्ग जिला अध्यक्ष गुरलीन सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अमनदीप कौर, जतिंदर सिंह, दलबीर सिंह, मनमोहन सिंह (मन्नी), जसवीर सिंह, जरनैल सिंह, कुलविंदर सिंह, मनराज सिंह, दयाल सिंह, सोहन सिंह, बी. एस भाटिया आदि उपस्थित रहे ।

ग्रीष्म ऋतु में पेयजल की ना हो दिक्कत, आयुक्त प्रकाश सर्वे ने ली एजेंसी की बैठक

जल विभाग से जुड़े तमाम ठेकेदार रहे मौजूद, सीधे फील्ड से लिया जाएगा फीडबैक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने अपने कक्ष में पेयजल के लिए महत्वपूर्ण बैठक ली। उन्होंने तमाम एजेंसी जो पेयजल व्यवस्था से जुड़े हुए हैं तथा उन सभी अधिकारियों को जो पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने मैदानी स्तर पर है उनकी बैठक लेकर उन्हें निर्देशित किया।

निगमायुक्त ने पेयजल व्यवस्था वार्डों में सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हुए हैं। प्रत्येक जोन में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अधिकारी नियुक्त है। इसके साथ ही मरम्मत एवं संधारण कार्य के लिए सीधे फील्डस्तर पर एजेंसी कार्य कर रही है। ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए निगम आयुक्त ने निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था पेयजल को लेकर ना हो। पावर पंप, हैंड पंप जैसे आवश्यक संसाधन को दुरुस्त करने के निर्देश उन्होंने दिए। मरम्मत एवं संधारण के लिए हेल्पलाइन नंबर भी निगम ने जारी किया है, किसी भी प्रकार की पेयजल की समस्या के लिए इन नंबरों से संपर्क कर शिकायतें दर्ज कराई जा सकती है। ग्रीष्म ऋतु में पेयजल संकट ना हो इसके लिए निगम ने 77 एमएलडी एवं 66 एमएलडी फिल्टर प्लांट को अपडेट किया हुआ है।

महापौर नीरज पाल लगातार अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यों की मानिटरिंग कर रहे हैं और फील्ड पर जाकर कार्यों को देख रहे हैं। ऐसे इलाके जिनमें पानी की समस्या थी उन इलाकों में समस्याओं का समाधान किया गया है। बूस्टर पाइपलाइन एवं इंटरकनेक्शन का कार्य भी ऐसे स्थानों पर किया गया है जहां पानी की समस्या थी। पेयजल के लिए गए बैठक में आयुक्त ने कहा कि ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए आवश्यक संसाधनों के साथ फील्ड पर अलर्ट रहना जरूरी है।

शिकायतों का त्वरित समाधान हो और नागरिकों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो। बैठक में अधीक्षण अभियंता यूके धलेंद्र, कार्यपालन अभियंता टीके रणदिवे, सहायक अभियंता कुलदीप गुप्ता, अनिल सिंह एवं आलोक पसीने, एजेंसी से सी बीजू, युवराज सिंह, एमके तिवारी, धनेश्वर वर्मा, राजेश कुमार मौर्य, मनीष वर्मा एवं शंभू सिंह मौजूद रहे।

सुपेला संडे मार्केट में आयुक्त प्रकाश सर्वे के नेतृत्व में सुबह से जुटी निगम प्रशासन की टीम

36 स्थानों से हटाया गया कब्जा, सड़क बाधा करने वालों से जुर्माना भी वसूला गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई।नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत सुपेला संडे मार्केट में आज दूसरे रविवार को भी तगड़ी कार्रवाई हुई। निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे सुबह से मौके पर मौजूद रहे और इनके नेतृत्व में कब्जा धारियों को हटाया गया। सुपेला संडे मार्केट को व्यवस्थित करने के लिए तथा सड़क को सुगम बनाने और ट्रैफ्कि व्यवस्था में सुधार लाने के लिए आज निगम की पांच संयुक्त टीम ने मिलकर कार्रवाई की।

36 स्थानों पर से अतिक्रमण एवं कब्जा हटाया गया। इससे पूर्व विगत दो-तीन दिनों से समझाइश दी जा रही थी। कुछ लोगों ने फ्रि से टेबल पर रख कर समान विक्रय करना प्रारंभ कर दिया था। जिसको देखते हुए सुबह से पहुंची टीम ने सड़कों पर रखे टेबल को हटवाया और सड़क पर दुकानें लगने नहीं दी।

इस दौरान लगातार पुलिस प्रशासन की टीम तथा पेट्रोलिंग वाहन मॉनिटरिंग करती रही। अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी ने ट्रैफ्कि व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए व्यवसायियों से चर्चा की।

पिछले रविवार को सुपेला संडे मार्केट पर ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए सड़क को सुगम किया गया था। फ्रि से मार्केट अवस्थित ना हो इस उद्देश्य से इस रविवार को भी निगम की टीम पूरी मुस्तैदी के साथ और प्लानिंग के साथ संडे मार्केट में कार्यवाही के लिए मौजूद थी। सड़क बाधा करने वाले तथा बिल्डिंग मटेरियल रखने वाले दिवेदी बिल्डिंग मटेरियल के संचालक से 10000 रुपए जुर्माना भी वसूल किया गया तथा इनके मैटेरियल को जप्त भी किया गया। आज की कार्यवाही में चार जेसीबी और छह डंपर का उपयोग कब्जे धारियों को हटाने के लिए किया गया। सुपेला संडे मार्केट का क्षेत्र जोन क्रमांक एक नेहरू नगर और जोन क्रमांक 2 वैशाली नगर के अंतर्गत आता है। कार्रवाई के दौरान दोनों जोन के आयुक्त मनीष गायकवाड एवं पूजा पिल्ले मौजूद थे। वही सहायक राजस्व अधिकारी परमेश्वर चंद्राकर, बालकृष्ण नायडू, अनिल मेश्राम, मलखान सिंह सोरी एवं अंजनी सिंह मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950